लखनऊ

रविवार, 9 अगस्त , 2026

वर्ष : 11 | अंक: 340

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

महानता कभी न गिरने में नहीं, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi

NIGHT 28° Low

संक्षेप

शीर्ष अदालत पहुंचा कोर्ट फीस के बिना वक्फ मुकदमों की खारिजी का केस, गुजरात HC के आदेश को चुनौती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई है, जिसमें कोर्ट फीस जमा नहीं करने के कारण वक्फ से जुड़े मुकदमों को खारिज करने के फैसले को बरकरार रखा गया था। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी करते हुए छह सप्ताह में जवाब मांगा है। यह मामला अहमदाबाद सुन्नी मुस्लिम वक्फ कमेटी की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है। याचिका पर सुनवाई जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने की। पीठ ने 7 अगस्त को आदेश देते हुए कहा, 'नोटिस जारी किया जाए, छह सप्ताह में जवाब दिया जाए'। वक्फ संस्थाओं से जुड़े कुछ मामलों में गुजरात राज्य वक्फ ट्रिब्यूनल ने पर्याप्त कोर्ट फीस जमा नहीं होने के आधार पर कार्यवाही स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। इसके खिलाफ वक्फ संस्थाओं ने गुजरात हाईकोर्ट का रुख किया था। गुजरात हाईकोर्ट ने दिसंबर 2025 में इन याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि वक्फ संस्थाओं को वक्फ अधिनियम की धारा 83 के तहत राज्य वक्फ ट्रिब्यूनल में मामला दायर करने के लिए कोर्ट फीस से पूरी तरह छूट नहीं मिली हुई है। इसके बाद जनवरी 2026 में हाईकोर्ट ने इसी आधार पर एक अन्य मामले में वक्फ मुकदमों को खारिज करने के फैसले को बरकरार रखा। अब इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। अहमदाबाद सुन्नी मुस्लिम वक्फ कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में कहा है कि गुजरात हाईकोर्ट ने वक्फ अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों की सही तरीके से व्याख्या नहीं की। कमेटी की ओर से अधिवक्ता एजाज मकबूल ने याचिका दाखिल की है। इसमें कहा गया है कि वक्फ अधिनियम या उसके नियमों में कोर्ट फीस के भुगतान का कोई प्रावधान नहीं है।

हनी ट्रैप में फंसा वायुसेना अधिकारी? : PAK एजेंटों को रक्षा से जुड़ी जानकारी देने का आरोप ; कैसे हुआ खुलासा

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर को कथित तौर पर सोशल मीडिया के जरिये पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों ने हनी ट्रैप में फंसाया था। इसके बाद उस पर रक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी लीक करने का आरोप है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, इस अधिकारी पर लगातार नजर रखी जा रही थी और अब उसे कानून लागू करने वाली एजेंसियों को सौंप दिया गया है। वायुसेना ने आधिकारिक गोपनीयता कानून के तहत ऐसे मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने की बात कही है। वायुसेना के अधिकारियों ने कहा, उस अधिकारी पर लगातार नजर रखी जा रही थी और उसे संबंधित कानून लागू करने वाली एजेंसियों को सौंप दिया गया। पहले से उठाए गए कदमों के कारण उसे पकड़ लिया गया। वायुसेना ऐसी गतिविधियों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करती। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, वायुसेना के विंग कमांडर को रक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी कथित तौर पर लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

पीएम मोदी ने आईआईटी दिल्ली के छात्रों को दिया 'विकसित भारत' का विजन, बोले-

जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) दिल्ली के दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह आज आपके परिवार वाले गर्व महसूस कर रहे हैं, वैसे ही मुझे भी आप सभी पर गर्व है। उन्होंने कहा कि कई छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए मेडल मिले हैं। मैं आप सभी को दिल से बधाई देता हूँ। हालाँकि, अगर उनमें कुछ और लड़कियाँ भी होतीं तो और भी अच्छा होता। माफ़ कीजिए। सिर्फ़ एक या दो ही क्यों? और भी होनी चाहिए थीं।

इसके साथ ही मोदी ने कहा कि आज IIT दिल्ली में AI से जुड़े कुछ नए पहल भी शुरू हुए हैं। मैं इसके लिए भी आप सबको बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि आज आप सभी और सारे छात्रों इस कार्यक्रम में उपस्थित हैं। लेकिन मन के किसी कोने में कुछ और चल रहा होगा। हर छात्र के मन में आने वाले कल की अपनी-अपनी तस्वीर होगी। कई छात्र अपनी पहली सैलरी का इंतजार कर रहे होंगे, कोई नए शहर में नई शुरुआत की तैयारी में होगा, कई साथी अपने नए startup का सपना देख रहे होंगे, किसी ने अगले प्रतियोगी परीक्षा का लक्ष्य बनाया होगा। हर किसी का रास्ता अलग है, हर किसी का सपना अलग है। लेकिन इन सबके बाद भी एक एहसास ऐसा है जो आप सभी के मन में एक सा होगा।

मोदी ने कहा कि वो दिन याद करिए जब आपका IIT दिल्ली में पहला दिन था और एक आज का दिन है। आप सोच रहे होंगे कि अभी कल की ही तो बात है, जब अभिविन्यास हुआ था और अब ये दीक्षांत समारोह का समय भी आ गया। Orientation से Convocation की इस यात्रा का आपको भरपूर satisfaction भी होगा। और साथ ही आप सभी में जीवन के एक नए chapter की शुरुआत का उत्साह भी होगा। उन्होंने कहा कि आज दुनिया तेज़ी से बदल रही है। कोई नहीं कह सकता कि आज से 20-30 साल बाद क्या होगा। लेकिन यह बदलती दुनिया और टेक्नोलॉजी नए मौके लाएगी, और जो सीखेगा, वही जीतेगा। जो लोग नई स्थितियों और चुनौतियों के लिए तैयार रहते हैं, वे चुनौतियों को मौकों में बदल देते हैं। यही बात आपने IIT दिल्ली में सीखी है। लेकिन जब-जब बदलाव का दौर आता है, तब-तब चुनौतियां भी आती हैं और नए अवसर भी पैदा होते हैं। दुनिया बदलेगी, technology भी बदलेगी, industries भी बदलेंगी, professions भी बदलेंगे। लेकिन इन सबके बीच जो सीखेगा, वो जीतेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन भावुक पलों में मैं एक बात आपसे जरूर कहूंगा। जब जब जीवन आपको पीछे मुड़कर देखने का अवसर देगा, तो ये कैंपस लाइफ, आपके दोस्त, टीचर्स, मेंटर्स और सपोर्ट स्टाफ जो आपका परिवार बन गए, आपके professors जिन्होंने आप जैसी प्रतिभाओं को गढ़ने की जिम्मेदारी उठाई और आपका ये Insti जो धीरे-धीरे आपका घर बन गया। आप अपनी हर success में इन सबको याद करेंगे, इन सबके लिए thankful होंगे। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि आपके मन के किसी कोने में कुछ और भी चल रहा हो। मैं बाबा बागेश्वर तो नहीं हूँ, लेकिन निश्चित रूप से हर छात्र के मन में कुछ न कुछ विचार ज़रूर चल रहे होंगे। आप में से हर किसी के मन में भविष्य को लेकर कोई न कोई सोच या विज़न ज़रूर होगा। उन्होंने कहा कि जब भी आपको कोई चुनौती बड़ी लगे, तो घबराएं नहीं। उसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें। याद कीजिए जब सिमुलेशन में समाधान खोजने में घंटों या दिनों का समय लग जाता था, लेकिन फिर आपने समस्या को हल किया और कुछ नया सामने लाए। इसी तरह, जीवन में भी समस्याएं आएंगी, लेकिन उनके साथ-साथ नए अवसर भी आएंगे। बस आपको सतर्क रहना होगा। Life में curiosity बनाए रखिए... अपनी learning instinct को जगाए रखिए। जो बातें बिना सोचे-समझे स्वीकार कर ली जाती हैं... उन्हें परखिए। उन पर सवाल उठाइए। लेकिन सिर्फ सवाल पूछकर मत रुकिए। उनका समाधान खोजने का साहस भी रखिए। मोदी ने कहा कि आप सभी जानते हैं कि हर पीढ़ी को अपने समय की खास चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और अपनी राष्ट्रीय ज़िम्मेदारी भी निभानी पड़ती है... अगले 30 से 35 सालों में आप जो कुछ भी करेंगे, उसका असर 'विकसित भारत' की ओर हमारे सफ़र पर पड़ेगा।

राहुल गांधी का रिजिजू से सवाल

महिला आरक्षण बिल को डिलिमिटेशन से क्यों जोड़ रही मोदी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी की महिला सशक्तिकरण पर हालिया टिप्पणियों की आलोचना की। राहुल गांधी ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में महिलाओं को फिर से बातचीत में शामिल करने और उन्हें अपनी पसंद का काम करने की आज़ादी देने की ज़रूरत के बारे में बात की। रिजिजू ने गांधी के संदेश को सकारात्मक संदेश बताया, साथ ही यह सवाल भी उठाया कि क्या इससे उनके विचारों में बदलाव झलकता है।

रिजिजू ने X पर लिखा कि यह कांग्रेस पार्टी की ओर से एक सकारात्मक संदेश लगता है। महिलाओं के प्रति श्री राहुल गांधी जी के विचारों में स्पष्ट बदलाव दिख रहा है। इसके बाद उन्होंने महिला आरक्षण बिल पर ध्यान दिया और कांग्रेस से बिना किसी शर्त के इसका समर्थन करने की अपील की। रिजिजू ने कहा कि अब मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी बिना किसी शर्त के महिला आरक्षण बिल का समर्थन करेगी।

राहुल गांधी ने महिला आरक्षण बिल पर किरण रिजिजू की टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा कि यह कानून कांग्रेस के पूरे समर्थन से पहले ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका है। राहुल गांधी ने 'X' पर पोस्ट किया कि रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर आपसे बेहतर कौन जान सकता है कि महिला आरक्षण बिल 2023 कांग्रेस के पूरे समर्थन से पहले ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका है। विपक्ष के नेता (LoP) ने सवाल उठाया कि पारित होने के तीन साल बाद भी यह कानून लागू क्यों नहीं किया गया है, और उन्होंने इसे परिसीमन (डिलिमिटेशन) से जोड़ने पर भी आपत्ति जताई।

उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि तीन साल बाद भी इसे लागू क्यों नहीं किया गया है, और अब आप इसे बेवजह परिसीमन से क्यों जोड़ना चाहते हैं? राहुल गांधी ने बिना किसी शर्त के कानून को लागू करने की मांग करते हुए कहा कि 2023 का कानून लागू करें। बिना किसी शर्त के। महिला आरक्षण बिल को परिसीमन बिल से जोड़ने के सरकार के प्रस्ताव को लेकर केंद्र और कांग्रेस के बीच टकराव चल रहा है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने परिसीमन विधेयक का विरोध किया है और मांग की है कि महिलाओं के लिए 33% कोटा संसद की मौजूदा संख्या के आधार पर लागू किया जाए।

केजरीवाल का बड़ा हमला

देश को अमेरिकी के हाथों गिरवी रख रहे पीएम मोदी, ट्रंप की गुलामी क्यों

> X पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि देश को अमेरिका के हाथों गिरवी रखने, ट्रंप की गुलामी स्वीकार करने और भारत को अपमानित कराने के बाद, मोदी जी देश के लिए यह स्थिति ले आए हैं। आज देश के हर छोटे–बड़े फैसले में ट्रंप का दखल है। मोदी जी ट्रंप की हर बात मान लेते हैं, चाहे वह सही हो या गलत।
>
> **अरविंद केजरीवाल**

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि वे भारत के हितों की रक्षा करने में नाकाम रहे हैं। यह आरोप अमेरिकी सीनेट के उस कदम के बीच लगाया गया है जिसमें रूसी तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर कड़े प्रतिबंध लगाने वाला बिल पास करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर ट्रंप के फैसलों को मानकर भारत के हितों से समझौता करने का भी आरोप लगाया और कहा कि ट्रंप देश के मामलों में लगातार दखल दे रहे हैं। X पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि देश को अमेरिका के हाथों गिरवी रखने, ट्रंप की गुलामी स्वीकार करने और भारत को अपमानित कराने के बाद, मोदी जी देश के लिए यह स्थिति ले आए हैं। आज देश के हर छोटे-बड़े फैसले में ट्रंप का दखल है। मोदी जी ट्रंप की हर बात मान लेते हैं, चाहे वह सही हो या गलत। और ट्रंप हर क्षेत्र में भारत के खिलाफ फैसले लेते हैं। यह बयान अमेरिकी सीनेट द्वारा 'रूस प्रतिबंध बिल' पास किए जाने के बाद आया है। इस बिल का नाम दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम के नाम पर रखा गया है। यह बिल रूस से कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस खरीदने वाले शीर्ष पांच देशों (जिनमें चीन और भारत भी शामिल हैं) पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगा सकता है।

'स्वतंत्रता सेनानियों ने सीने पर गोली खाई, आप अंडों से डर गयीं'

नई दिल्ली, एजेंसी। राजनीति में कदम रखने के बाद विरोध, नारे, सवाल और कभी-कभी विरोधियों के तंज झेलना शायद लोकतांत्रिक जीवन का हिस्सा माना जाता है, लेकिन अगर विरोध का हथियार 'अंडा' बन जाए और उससे बचने के लिए सांसद पुलिस के सामने वर्चुअल पेशी की गुहार लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच जाएं, तो अदालत का चुटीला सवाल आना तय है। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में कुछ ऐसा ही हुआ। अदालत ने उनकी उस मांग में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया, जिसमें उन्होंने कथित आपत्तिजनक पोस्ट से जुड़े मामले में पुलिस के सामने ऑनलाइन माध्यम से पेश होने की अनुमति मांगी थी। राजनीतिन्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ ने साफ संकेत दिया कि वह कलकत्ता हाई कोर्ट के उस निर्देश में दखल देने के पक्ष में नहीं है, जिसके तहत कृष्णानगर की सांसद को जांच में शामिल होने और पुलिस के सामने पेश होने को कहा गया था। सुनवाई के दौरान महुआ मोइत्रा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने दलील दी कि सांसद को जांच अधिकारी के सामने वर्चुअल तरीके से पेश होने की अनुमति दी जानी चाहिए। उनका तर्क था कि पुलिस ने उन्हें अपने ही निर्वाचन क्षेत्र के थाने में उपस्थित होने को कहा है और पिछली बार वहां जाने पर उन्हें विरोध और धमकियों का सामना करना पड़ा था।

यस माई लॉर्ड: जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन होगा बंद?

हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में क्या नई बहस छिड़ गई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के दिल जंतरमंतर पर अब सिर्फ प्रदर्शन नहीं बल्कि संवैधानिक बहस भी खड़ी हो गई है। एक तरफ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सख्त जवाब मांगा तो दूसरी तरफ दिल्ली हाईकोर्ट ने सीधा सवाल दाग दिया। आखिर जंतर-मंतर को विरोध प्रदर्शन के लिए बंद क्यों नहीं कर दिया जाता? देश की राजधानी में विरोध प्रदर्शनों का सबसे बड़ा प्रतीक जंतर-मंतर अब अदालत की कसौटी पर है। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से साफ जवाब मांगा है कि क्या बड़े स्तर के धरनों के लिए कोई वैकल्पिक और ज्यादा व्यवस्थित जगह तय की जा सकती है। दरअसल चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने याचिकाकर्ता सतीश चंद्र कौशिक ने दलील दी कि जंतर-मंतर अब बड़े प्रदर्शनों के लिए व्यवहारिक नहीं रहा। यहां ना पर्याप्त पानी है, ना शौचालय, ना ही बुनियादी व्यवस्थाएं। लंबा धरना हो तो प्रदर्शनकारियों के साथ-साथ आसपास रहने वाले लोग भी परेशान होते हैं।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन को लेकर लोगों की अलग-अलग राय है। कुछ लोगों का मानना है कि जंतर-मंतर पर सुविधाओं का अभाव है। इससे आम जनता और प्रदर्शनकारी दोनों प्रभावित होते हैं। इसी बीच में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरभ दास ने जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट को लेकर अपनी राय रखी है। एक्स पर लिखा हमसे हमारी विरोध करने की -जगह छीनने की कोशिश करने से पहले हमें यह बताएं कि क्या आप इंडिया गेट को ऐसी जगह के तौर पर तय करेंगे जहां हम शांतिपूर्ण विरोध करने के लिए अपने मौलिक अधिकार का इस्तेमाल कर सकें। आपने इंडिया गेट तो छीन ही लिया। अब हम अपना जंतर-मंतर भी छीने जाने को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हालांकि जंतर-मंतर पर सिर्फ सुविधाएं ही नहीं ट्रैफिक भी बड़ा मुद्दा बन गया है। दिल्ली के बीचों-बीच होने वाले इन प्रदर्शनों से यातायात व्यवस्था चरमरा जाती है। एंबुलेंस से लेकर आम राहगीर तक हर कोई इसकी मार झेलता है। इसी बीच दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इस मुद्दे पर और भी सख्त रुख दिखाया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार से सीधा सवाल किया।

बारिश का कहर जारी, कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली-NCR बेहाल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में मानसून की सक्रियता लगातार बनी हुई है। अगस्त का पहला सप्ताह बीतने के बाद भी बारिश का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को दिल्ली-NCR में हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। वहीं, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने शनिवार को देश के कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश, आंधी-तूफान और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। उत्तर भारत से लेकर पूर्वोत्तर और दक्षिण-पश्चिम भारत तक कई इलाकों में मौसम खराब रहने की आशंका है।

उत्तर भारत में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में भी तेज बारिश की संभावना जताई गई है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है।

वहीं, पूर्वी राजस्थान में भारी से बहुत भारी बारिश का खतरा बना हुआ है। ऐसे में निचले इलाकों में जलभराव और यातायात प्रभावित होने की आशंका है।

बंगाल, बिहार और पूर्वोत्तर में भी आफत

पूर्वी भारत में भी मानसून सक्रिय है। ओडिशा, गंगीय पश्चिम बंगाल, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कई स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 8 अगस्त को ओडिशा में बहुत भारी बारिश को लेकर विशेष चेतावनी जारी की है।

बिहार के अलावा अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में भी कई जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। लगातार बारिश के कारण कुछ इलाकों में जलभराव और स्थानीय स्तर पर बाढ़ जैसी स्थिति पैदा होने की आशंका है।

दक्षिण और पश्चिम भारत में भी मौसम बिगड़ेगा

पश्चिमी तट पर भी बारिश का दौर तेज रहने वाला है। कोंकण, गोवा, महाराष्ट्र और गुजरात के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिण भारत में तटीय कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 8 अगस्त को भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की आशंका है।

समुद्र में खराब मौसम और ऊंची लहरों को देखते हुए मछुआरों को ओडिशा, कर्नाटक और केरल के तटों के आसपास समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

शुक्रवार को दिल्ली-NCR में बारिश ने मचाई तबाही

शनिवार के अलर्ट से एक दिन पहले शुक्रवार को दिल्ली-NCR में बारिश ने जमकर कहर बरपाया। राजधानी के कई इलाकों में भारी जलभराव हो गया और सड़कों पर कई फीट तक पानी भर गया।

दक्षिण दिल्ली की एमबी रोड पर एयरफोर्स स्टेशन के पास हालात बेहद खराब रहे। यहां करीब चार फीट तक पानी भरने से कई वाहन पूरी तरह डूब गए। जलमग्न इलाकों में फंसे लोगों को निकालने के लिए एयरफोर्स के ट्रकों की मदद लेनी पड़ी।

आईटीओ, पटेल रोड, रोहतक रोड, वजीराबाद रोड, कीर्ति नगर और शाहीन बाग समेत कई प्रमुख मार्गों पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। कई अंडरपास भी पानी में डूब गए, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

दिल्ली हाईकोर्ट के अनुरोध पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, कोयला घोटाला मामलों की सुनवाई से हटाए गए 2 जज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कोयला घोटाले से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए नियुक्त विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा को पद संभालने के करीब छह महीने बाद ही हटा दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के अनुरोध पर सुनैना शर्मा और विशेष सीबीआई न्यायाधीश धीरज मोर को कोयला घोटाला मामलों की विशेष अदालत से हटाने की अनुमति दे दी है। दोनों न्यायिक अधिकारियों को अब दूसरी जिम्मेदारियां दिए जाने की बात कही गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची तथा वी. मोहना की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट ने विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा और धीरज मोर के तबादले का अनुरोध किया था, ताकि उनकी सेवाओं का अन्य जिम्मेदारियों में इस्तेमाल किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट को दिल्ली हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से एक पत्र मिला था। इसमें दोनों न्यायिक अधिकारियों को उत्कृष्ट योग्यता वाला बताते हुए कहा गया था कि हाई कोर्ट उनकी सेवाओं का इस्तेमाल अन्य जिम्मेदारियों के लिए करना चाहता है।

सुनैना शर्मा ने इसी साल जनवरी में विशेष कोयला घोटाला अदालत के न्यायाधीश के रूप में पदभार संभाला था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने तत्कालीन पीठासीन न्यायाधीश संजय बंसल को पद से कार्यमुक्त करने के हाई कोर्ट के अनुरोध को मंजूरी दी थी। बंसल करीब साढ़े चार साल तक विशेष कोयला घोटाला अदालत की अध्यक्षता कर चुके थे।

ढोल नगाड़ा और फूल-माला... पप्पू यादव पर जूता फेंकने वालों का किया गया स्वागत, खुली जीप में निकला रोड शो

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर हाल ही में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हमला किया गया था। वहीं अब उनपर हमला करने वाले आरोपियों का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया है। जैसे ही आरोपी हैप्पी शर्मा और सुमित गिरि अपने गांव पहुंचे वहां उनका जोरदार स्वागत हुआ।

जानकारी के मुताबिक पप्पू यादव पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में जूता फेंकने के आरोपी हैप्पी शर्मा और सुमित गिरि बुलंदशहर से नैथला हसनपुर गांव पहुंचे। इस दौरान दोनों का खुली जीप में रोड शो निकाला गया। यही नहीं रोड शो के दौरान डीजे भी बजाया गया।

बताया जा रहा है कि नैथला हसनपुर गांव में सुमित और हैप्पी का ढोल नगाड़ा बजाकर शानदार तरीके से स्वागत किया गया। उनके स्वागत में भारी संख्या में गांव के लोग मौजूद रहे। लोगों ने उन्हें फूल मालाएं पहनाई। जूता कांड के बाद दोनों ही पहली बार गांव आए थे।

दरअसल हाल ही में सांसद पप्पू यादव ने संसद परिसर में राम मंदिर में हुए चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर एक नुक्कड़ नाटक किया था। इस दौरान उन्होंने भगवा कपड़े पहने थे। उन्होंने साधु का वेश धारण किया था। इसको लेकर तमाम हिंदूवादी संगठनों और साधु-संतों ने नाराजगी जाहिर की थी और उन संतों और सनातन धर्म का अपमान करने का आरोप लगाया था।

अखिलेश का बीजेपी पर हमला

इधर बुलंदशहर में इस तरह आरोपियों का स्वागत किए जाने पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें उन्होंने कहा 'भाजपा में अपराधियों की बलिहारी है, दोषियों के स्वागत की परंपरा जारी है'। इसके साथ ही उन्होंने आरोपियों के स्वागत का एक वीडियो भी शेयर किया है। जिसमें भारी संख्या में लोग उनका स्वागत करते नजर आ रहे हैं। उन पर फूल बरसाए जा रहे हैं। साथ ही मालाएं पहनाई जा रही हैं। वहीं तेज आवाज भी डीजे भी बज रहा है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में हुआ हमला

इसके बाद पप्पू यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसी दौरान उन पर हमला किया गया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन पर जूता फेंका गया था। इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिस ने आरोपी सुमित गिरि को पकड़ लिया था। वहीं दूसरा आरोपी हैप्पी शर्मा वहां से फरार हो गया था। दोनों के खिलाफ दिल्ली में BNS की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। पप्पू यादव ने पुलिस को मौके से एक चाकू भी सौंपा गया था।

पप्पू यादव का आरोप

पप्पू यादव ने आरोप लगाया था कि उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई है। उनके मीडिया सलाहकार की शिकायत पर दिल्ली में BNS की धाराओं के तहत FIR दर्ज की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि पप्पू यादव पर हमला करने की पहले से योजना की गई थी। हालांकि इन आरोपों को आरोपी हैप्पी शर्मा ने खारिज किया है। उसका कहना था कि उसके पास कोई हथियार नहीं था और वो बिना हथियार के वहां पहुंचा था। उसने ये भी कहा था कि सुरक्षा जांच के बाद ही वो अंदर गया था। उसका कहना था कि को पप्पू यादव से कुछ सवाल पूछने गए थे। उसका कहना था कि उनका मकसद सिर्फ सांसद से सवाल पूछना था।

आरोपी ने क्या कहा

आरोपी का कहना था कि वो पप्पू यादव से पूछना चाहते थे कि आखिर वो सनातन और हिंदुओं का अपमान क्यों कर रहे हैं और भगवा कपड़े एवं भगवान राम की तस्वीर जमीन पर क्यों रखी गई। हैप्पी शर्मा का यह भी कहना था कि उसके सवाल पूछते ही पप्पू यादव के समर्थकों ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। उसने ये भी कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में जूता किसने फेंका उसे इसकी कोई जानकारी नहीं है।

अयोध्या धाम में बनेगा सिंचाई विभाग का अतिथि गृह

सुल्तानपुर। अयोध्या धाम में सिंचाई विभाग के अतिथि गृह निर्माण की उम्मीद अब बढ़ गई है। सुल्तानपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री विनोद सिंह की पहल पर रखे गए प्रस्ताव पर शासन स्तर से कार्रवाई शुरू हो गई है। प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने प्रस्ताव पर आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रमुख सचिव, सिंचाई विभाग को पत्र भेजा है। विधायक विनोद सिंह ने प्रयागराज-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-330) पर अयोध्या धाम के समीप सिंचाई विभाग की खाली पड़ी भूमि पर अतिथि गृह निर्माण का प्रस्ताव शासन के समक्ष रखा था। प्रस्ताव में सिंचाई विभाग की गाटा संख्या 42 एवं 49 में स्थित भूमि का उल्लेख किया गया है। जलशक्ति मंत्री ने विधायक को भेजे पत्र में बताया कि उनके कार्यालय से प्राप्त प्रस्ताव को आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रमुख सचिव, सिंचाई विभाग को भेज दिया गया है। प्रस्ताव को लेकर विभागीय स्तर पर पत्राचार भी शुरू कर दिया गया है।

जमीन के लालच में जीजा की हत्या, तालाब में फेंका शव चार गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। कोतवाली नगर क्षेत्र के लोलेपुर चौहानी गांव में युवक मो. शाकिब हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, हाईवे किनारे की जमीन के 48 लाख रुपये में हुए सौदे को लेकर मृतक के साले ने दोस्तों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। आरोपियों ने शराब पिलाने के बाद दुपट्टे से गला दबाकर शाकिब की हत्या कर दी और शव को पास के तालाब में फेंक दिया।

बताते चले कि मो. शाकिब (25) पुत्र शहबान निवासी सरैया गोसाईगंज बचपन से अपने ननिहाल लोलेपुर चौहानी में रह रहा था। उसकी नानी ने उसे पक्का मकान और हाईवे किनारे पांच बिस्वा जमीन दी थी। शाकिब ने इस जमीन का 48 लाख रुपये में सौदा किया था और दो लाख रुपये अग्रिम ले चुका था। शेष रकम बैनामा के समय मिलनी थी। पुलिस का कहना है कि शाकिब ने रकम के लिए नया बैंक खाता खुलवाया था और उसमें अपने मामा के बेटे को नामिनी बनाया था। इसकी जानकारी उसकी पत्नी को हुई तो उसने अपने भाइयों को बताया। आरोपियों को आशंका थी कि शाकिब जमीन की रकम अपनी पत्नी को देने के बजाय शराब और अन्य कामों में खर्च कर देगा। इसी को लेकर उसके साले सलमानुल हक उर्फ सलमान ने शाकिब को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार योजना के तहत सलमान अहमद शाकिब को अपने साथ ले गया और शराब पिलाने के बाद गांव से बाहर ले गया। वहां पहले से मौजूद मो. हुसैन, मो. जीशान और सलमानुल हक उर्फ सलमान के साथ मिलकर दुपट्टे से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई। इसके बाद शव जल निगम के तालाब में फेंक दिया गया।

शाकिब दो अगस्त की रात घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने तलाश शुरू की तो अगले दिन घर से करीब 200 मीटर दूर तालाब के किनारे उसका शव मिला। शरीर पर चोट के निशान भी मिले थे। घटना के खुलासे के लिए पुलिस की चार टीमें, एसओजी और सर्विलांस टीम लगाई गई थीं। शनिवार को राहुल चौराहा क्षेत्र में आरोपियों की तलाश के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि घटना से जुड़े चार आरोपी चौहानी से बाईपास जाने वाली सड़क पर विनोबापुरी के सामने महुए के बाग में बैठे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर चारों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने शाकिब की हत्या कर शव तालाब में फेंकने की बात स्वीकार की। गिरफ्तार आरोपियों में सलमान अहमद पुत्र सरदार निवासी नकराही, मो. हुसैन उर्फ गोलू पुत्र अबरार अहमद निवासी लोलेपुर चौहानी, मो. जीशान पुत्र नुरूल हक निवासी लोलेपुर चौहानी तथा सलमानुल हक उर्फ सलमान पुत्र शमशुलहक निवासी नकराही शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि सलमानुल हक मृतक का सगा साला है, जबकि सलमान अहमद उसका दोस्त और मो. हुसैन व मो. जीशान उसके साले के दोस्त हैं। पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने हत्याकांड का सफल अनावरण करने वाली टीम को 25 हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की है।

झटका मशीन के तार की चपेट में आने से चार वर्षीय बच्ची की मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लंभुआ/सुलतानपुर। कोतवाली क्षेत्र के घरवासपुर गांव में खेत में लगे झटका मशीन के तार की चपेट में आने से चार वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर उपजिलाधिकारी प्रीति जैन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ पहुंचकर जानकारी ली।

परिजनों के अनुसार घरवासपुर निवासी किसान मुरारी पांडेय के खेत में घर से करीब 50 मीटर की दूरी पर झटका मशीन लगी थी। शनिवार को इमरान की चार वर्षीय बेटी साजिया घर के पास खेलते-खेलते खेत की ओर पहुंच गई। इसी दौरान उसने झटका मशीन में लगे तार को पकड़ लिया। करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन तत्काल बच्ची को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी मिलने पर एसडीएम प्रीति जैन ने सीएचसी पहुंचकर पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई समय से कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारियों और लेखपाल को मौके पर जाकर जांच करने तथा रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा। एसडीएम ने परिजनों को नियमानुसार आर्थिक सहायता दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई का भी आश्वासन दिया।साजिया तीन बहनों में दूसरी थी। परिजनों के मुताबिक उसकी एक बड़ी बहन की पहले ही मौत हो चुकी है, जबकि डेढ़ वर्ष की एक छोटी बहन है। बच्ची की मौत से मां रुबीना सहित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।प्रभारी निरीक्षक धीरज कुमार ने बताया शव का पंचनामा करके मर्चरी भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

काशी विश्वनाथ मदिर : शृंगार गौरी केस से जुड़ी वादिनी महिलाओं ने किया जलाभिषेक, ज्ञानवापी मुक्ति की लगाई गुहार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। सावन में बाबा विश्वनाथ के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। इसी क्रम में शनिवार को माता शृंगार गौरी केस से जुड़ी वादिनी महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर करीब दो किलोमीटर तक पैदल यात्रा की और बाबा विश्वनाथ के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इस दौरान महिलाओं ने 'ज्ञानवापी मुक्त करो' के नारे भी लगाए।

कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं। यात्रा के दौरान श्रद्धालु हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। महिलाओं ने कहा कि वे बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करने और उनसे प्रार्थना करने के लिए मंदिर पहुंची हैं। उनका कहना था कि वे न्यायालय में चल रहे मामले में जीत की कामना लेकर बाबा के दरबार में आई हैं।

महिलाओं ने कहा कि ज्ञानवापी परिसर में स्थित वजूखाने को लेकर उनका दावा है कि वहां उनके आराध्य महादेव विराजमान हैं। उन्होंने बाबा से प्रार्थना की कि जल्द न्यायालय में मामले का फैसला उनके पक्ष में आए और उन्हें वहां जलाभिषेक करने का अवसर मिले। साथ ही उन्होंने शृंगार गौरी माता के दर्शन और पूजन की अनुमति मिलने की भी कामना की।

कलश यात्रा में ज्ञानवापी मामले से जुड़े अधिवक्ता भी शामिल हुए। सभी ने बाबा विश्वनाथ के जयकारे लगाए। यात्रा के बाद श्रद्धालुओं को मंदिर के 4बी गेट से प्रवेश कराया गया। सावन के चलते मंदिर परिसर और आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस भी अलर्ट नजर आई। श्रद्धालुओं की भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिसकर्मी मंदिर के बाहर तैनात रहे।

इस पूरे मामले से जुड़े सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने कहा कि ज्ञानवापी से संबंधित मुकदमा बाबा विश्वनाथ को मुक्त कराने के लिए चल रहा है। उन्होंने अपने बयान में दावा किया कि आक्रांताओं द्वारा मंदिर को ध्वस्त कर वहां मस्जिद का निर्माण कराया गया था। उनका कहना था कि उस ढांचे को हटाकर वहां भव्य मंदिर का निर्माण होना चाहिए, क्योंकि यह करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा स्थल है।

चतुर्वेदी ने कहा कि कलश यात्रा में शामिल महिलाएं बाबा विश्वनाथ से यही प्रार्थना करने आई हैं कि न्यायालय इस मामले में जल्द फैसला सुनाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था इस पूरे मामले से गहराई से जुड़ी हुई है और सभी को न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा है।

सावन में हाईवे पर बिक रही थी 'नॉनवेज बिरयानी', बरेली पुलिस ने चलाया बुलडोजर... दुकानदार गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के बहेड़ी कस्बे में सावन माह के नियमों का उल्लंघन करने पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। बहेड़ी में हाईवे किनारे प्रशासनिक चेतावनियों को दरकिनार कर बेची जा रही नॉनवेज बिरयानी की दुकान पर पुलिस और नगर पालिका की संयुक्त टीम ने बुलडोजर चला दिया। टीम ने जेसीबी की मदद से दुकान का टिनशेड और काउंटर पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। मौके से आरोपी दुकानदार को हिरासत में ले लिया गया है।

मामला बरेली के बहेड़ी में नए रोडवेज बस स्टैंड के सामने हाईवे का है। यहां मोहल्ला लोधीपुर निवासी सलमान नाम का युवक मुर्ग बिरयानी की दुकान चला रहा था। गौरतलब है कि सावन के पावन महीने को देखते हुए प्रशासन की ओर से मुख्य मार्गों और हाईवे किनारे मांस तथा मांसाहार सामग्री की बिक्री पर पहले से ही रोक लगाई गई थी और दुकानदारों को कड़ी चेतावनी दी गई थी। इसके बावजूद, इस दुकान पर धड़ल्ले से नॉनवेज बिरयानी की बिक्री की जा रही थी।

घटना का खुलासा तब हुआ जब विश्व हिंदू परिषद (VHP) के पदाधिकारियों ने हाईवे पर दुकान खुली देखी। संगठन के प्रतिनिधि शानू गंगवार ने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। खबर मिलते ही क्षेत्राधिकारी (सीओ) अरुण कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस की छापेमारी के दौरान मौके पर बिरयानी की बिक्री होती पाई गई। पुलिस ने बिना देर किए दुकानदार सलमान को हिरासत में ले लिया। इसके तुरंत बाद नगर पालिका की टीम को जेसीबी के साथ बुलाया गया और दुकान के बाहर लगे टिनशेड तथा काउंटर को ध्वस्त कर दिया गया।

भीड़ हटाई गई, प्रशासन ने दी सख्त चेतावनी

कार्रवाई के दौरान हाईवे पर राहगीरों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई थी, जिसे पुलिस ने स्थिति संभालते हुए मौके से हटाया।

सीओ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि सावन माह में धार्मिक भावनाओं की पवित्रता और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से मुख्य मार्गों पर मांसाहार के कारोबार पर प्रतिबंध लागू है। पहले भी चेतावनी जारी की गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आदेशों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और आगे भी ऐसी सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

बरेली में धर्मांतरण की कोशिश का सनसनीखेज आरोप! आरोपी के घर डबल बेड के नीचे छिपी मिली लापता महिला, बच्चे भी बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के सिरौली थाना क्षेत्र से एक अजीबोगरीब और सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां कुछ दिन पहले अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई एक महिला और उसके बच्चों को पुलिस ने गांव के ही दूसरे समुदाय के एक युवक के घर से बरामद कर लिया है। हैरत की बात यह रही कि पुलिस दबिश के दौरान महिला घर के अंदर एक कमरे में बने डबल बेड के नीचे छिपी हुई हालत में मिली। महिला के पति ने युवक पर अपनी पत्नी को बहला-फुसलाकर अगवा करने और उसका धर्मांतरण (धर्म परिवर्तन) कराने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

मामला सिरौली थाना क्षेत्र के गांव अंजनी का है। गांव के निवासी पीड़ित पति ने सिरौली थाने में लिखित तहरीर देकर बताया था कि उसकी पत्नी 5 अगस्त की सुबह करीब 4 बजे अचानक घर से बिना बताए कहीं चली गई। काफी खोजबीन और नाते-रिश्तेदारों में पता करने के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं लगा। तो परिजनों को गांव के ही दूसरे समुदाय के एक युवक पर शक हुआ। पति ने पुलिस को शिकायत देते हुए आरोप लगाया कि उक्त युवक उसकी पत्नी और बच्चों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है और उनका धर्मांतरण कराने का प्रयास कर रहा है।

शिकायत की संवेदनशीलता को देखते हुए सिरौली पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की और संदिग्ध युवक के घर पर अचानक छापेमारी (दबिश) की। घर में तलाशी के दौरान पुलिस को सबसे पहले महिला के छोटे बच्चे मिले। इसके बाद जब पुलिस ने घर के अंदरूनी कमरों की गहनता से तलाशी ली। तो एक कमरे में रखे डबल बेड के नीचे महिला छिपी हुई पाई गई। पुलिस ने महिला और उसके बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला तथा मौके से ही आरोपी युवक को अपनी हिरासत में ले लिया।

थाने में पूछताछ। पुलिस खंगाल रही हर एंगल

पुलिस टीम महिला। बच्चों और आरोपी युवक को लेकर थाने पहुंची। फिलहाल। महिला और बच्चे पुलिस की सुरक्षा में हैं। सिरौली थाना प्रभारी रोहित कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पति की तहरीर और मिली सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला को बरामद कर लिया गया है। आरोपी युवक से कड़ाई से पूछताछ की जा रही है ताकि यह साफ हो सके कि महिला किन परिस्थितियों में वहां पहुंची और पति द्वारा लगाए गए धर्मांतरण के आरोपों में कितनी सच्चाई है। जांच के बाद अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कलम थामने की उम्र में उंगलियों में चुभ रही सुई... बरेली की बदनसीब बेटियां, पेट की भूख के आगे फीकी पड़ी पढ़ाई, रुला देगी यह दास्तान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश की राजधानी से ढाई सौ किलोमीटर दूर बसा शहर बरेली के बाकरगंज, सराय खाम, हाजियापुर, शाहदाना, श्यामगंज और आसपास के इलाकों में बेटियों की पढ़ाई की तस्वीर आज भी चिंता बढ़ाने वाली है। सरकार की ओर से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और स्कूल चलो जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन इन इलाकों की कई बेटियां आर्थिक तंगी, परिवार की मजबूरी और जागरूकता की कमी के कारण पांचवीं या दसवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ देती हैं।

कुछ बच्चियां तो प्राथमिक कक्षा तक भी नहीं पहुंच पातीं। स्कूल जाने की उम्र में कई बेटियां परिवार की आर्थिक मदद के लिए पतंग बनाने, जरी-जरदोजी, कारचोबी, सिलाई और कढ़ाई का काम कर रही हैं। परिवारों का कहना है कि जब घर में दो वक्त की रोटी जुटाना मुश्किल हो तो बच्चों की पढ़ाई पीछे छूट जाती है।

आजमनगर की रिहाना बताती हैं कि उनके पति रिक्शा चलाकर परिवार का खर्च उठाते हैं। उनके पांच बच्चों में तीन बेटियां हैं। आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण कोई भी बेटी तीसरी कक्षा से आगे नहीं पढ़ सकी। बेटियां घर पर पतंग बनाकर कुछ रुपये कमा लेती हैं, जिससे परिवार के खर्च में मदद मिलती है। इसी इलाके की जैबुननिशा के पति का निधन हो चुका है। पांच बेटियों की जिम्मेदारी उनके कंधों पर है। वह दूसरों के घरों में काम करके परिवार चलाती हैं, जबकि बेटियां हथकरघा और कारचोबी का काम करती हैं।

मैनाज के परिवार की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है। उनके पति लकवाग्रस्त हैं और परिवार की मदद के लिए बेटियां कारचोबी का काम करती हैं। श्यामगंज की आमना बताती हैं कि पति की मौत के बाद घर की पूरी जिम्मेदारी उनके ऊपर आ गई। उनकी तीनों बेटियां पतंग बनाने का काम करती हैं। उनका कहना है कि एक हजार पतंग बनाने पर करीब सौ रुपये मिलते हैं। ऐसे में परिवार के सामने पढ़ाई से ज्यादा पेट भरने की चिंता रहती है।

कई छात्राएं एडमीशन के बाद छोड़ देती हैं स्कूल

इलाके के कई सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या भी अपेक्षित तरीके से नहीं बढ़ रही है। प्राथमिक विद्यालय काजी टोला में इस साल 57 बच्चे पंजीकृत हैं, जिनमें करीब 20 छात्राएं हैं। प्राथमिक विद्यालय बांस मंडी में 35 बच्चे दर्ज हैं, जबकि ख्वाजा कुतुब स्कूल में सिर्फ दो छात्र हैं। प्राथमिक विद्यालय हाजियापुर में पिछले साल 78 बच्चे थे, लेकिन इस बार संख्या घटकर 58 रह गई है। प्रधानाध्यापक के मुताबिक, कई छात्राएं दाखिला लेने के बाद भी जरी-जरदोजी, सिलाई-कढ़ाई और घरेलू जिम्मेदारियों के कारण स्कूल आना छोड़ देती हैं। स्कूलों में शिक्षकों की कमी और एसआईआर, जनगणना जैसे दूसरे सरकारी कामों का असर भी पढ़ाई पर पड़ रहा है।

शाहदाना की फातिमा अपने पोते-पोतियों की देखभाल कर रही हैं। उनके पति का कई साल पहले निधन हो चुका है और बेटा पंजाब में मजदूरी करता है। घर की तीन बेटियां 15 साल तक की हैं, लेकिन स्कूल नहीं जातीं। फातिमा का कहना है कि स्कूल करीब एक किलोमीटर दूर है और बेटियों को ले जाने वाला कोई नहीं है। उनका मानना है कि बेटियां बड़ी होकर शादी कर लेंगी, इसलिए पढ़ाई की जरूरत नहीं समझी जाती।

बेटियां घर संभाल रही हैं

हाजियापुर के मोहम्मद रईस की पत्नी का भी कई साल पहले निधन हो गया था। उनकी पांच बेटियां घर संभाल रही हैं। बड़ी बेटी नाजिश बताती हैं कि मां की मौत के समय वह नौवीं कक्षा में पढ़ रही थीं। इसके बाद पढ़ाई छूट गई। पिता हृदय रोग से पीड़ित हैं और नियमित काम नहीं कर पाते। अब परिवार चलाने के लिए बेटियां जरी का काम करती हैं।

शिक्षा विभाग का कहना है कि स्कूलों से दूर बच्चों को चिह्नित करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। डीएलएड प्रशिक्षु घर-घर जाकर ऐसे बच्चों की पहचान करेंगे और उनका दाखिला कराया जाएगा। खंड शिक्षा अधिकारी तौसीफ के अनुसार छात्रों को स्कूलों से जोड़ने के लिए हर साल सर्वे कराया जाता है। बरेली के जिलाधिकारी अविनाश सिंह से बात की तो बताया कि सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है।

योगी सरकार की जेन-जी के लिए नई पहल, अब हर माह विद्यार्थियों से संवाद करेंगे आईएएस-आईपीएस और आईएफएस अधिकारी

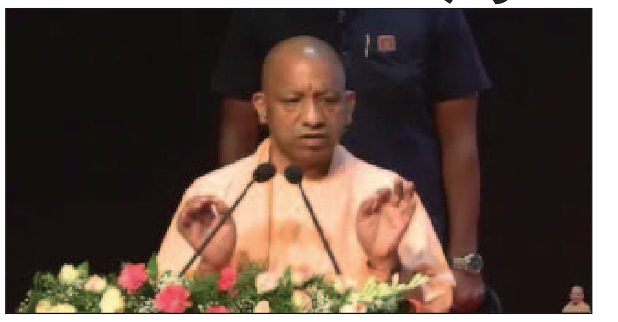

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा, रोजगार और करियर के बेहतर अवसरों से परिचित कराने के लिए नई पहल शुरू की है। इसके तहत अब आईएएस, आईपीएस और आईएफएस सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हर माह विद्यालयों में पहुंचकर इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों से संवाद करेंगे और उन्हें करियर निर्माण के लिए मार्गदर्शन देंगे।इस पहल के तहत विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी), उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी), राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई), राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) और केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) जैसी प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। वरिष्ठ अधिकारी विद्यार्थियों को इन परीक्षाओं की तैयारी की रणनीति, विषय चयन, अध्ययन की दिशा और उपलब्ध अवसरों के बारे में जानकारी देंगे।सरकार की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों और प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, ताकि छात्र केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध करियर विकल्पों की व्यावहारिक जानकारी भी मिल सके। अधिकारी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के विभिन्न विकल्पों, रोजगार के अवसरों, उद्यमिता तथा स्टार्टअप के क्षेत्र में संभावनाओं के बारे में भी जानकारी देंगे।कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी प्रत्येक माह वरिष्ठ अधिकारियों के विद्यालय भ्रमण का कार्यक्रम तैयार करेंगे। संबंधित अधिकारी निर्धारित विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे और उनके सवालों का जवाब देते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं तथा भविष्य के करियर को लेकर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इससे विद्यार्थियों को प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत अधिकारियों के अनुभवों से सीधे सीखने का अवसर मिलेगा।कार्यक्रम के प्रभावी संचालन के लिए मंडलायुक्त समय-समय पर इसकी समीक्षा करेंगे, जबकि जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यक्रमों के आयोजन और संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालयों के बीच समन्वय की जिम्मेदारी निभाएंगे। प्रत्येक माह आयोजित कार्यक्रमों की प्रगति और गतिविधियों की रिपोर्ट अगले माह की 5 तारीख तक शासन को भेजी जाएगी।योगी सरकार की इस पहल को विद्यार्थियों में करियर को लेकर जागरूकता बढ़ाने, प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति सही दिशा देने और युवाओं को उच्च शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता तथा स्टार्टअप के नए अवसरों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे प्रदेश के इंटरमीडिएट विद्यार्थियों को अनुभवी प्रशासनिक अधिकारियों से सीधे संवाद कर अपने भविष्य की बेहतर योजना बनाने का अवसर मिलेगा।

एक नहीं कई जगहों पर प्रयोग की गई है खराब सामग्री, IIT खड़गपुर टीम की जांच में सामने आईं ये बातें

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ कानपुर एक्सप्रेस के घटिया निर्माण की जांच आईआईटी खड़गपुर की टीम कर रही है। जांच के दूसरे दिन टीम ने आठ जगहों से सैंपल कलेक्ट किए। सूत्र बताते हैं कि प्रथमदृष्टया जांच में निर्माण सामग्री की मिलावट के अनुपात में गड़बड़ी पाई गई है। हफ्तेभर में जांच रिपोर्ट तैयार हो जाएगी, जिसके बाद जिम्मेदारों पर गाज गिरने की आशंका जताई जा रही है। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया एनएचएआई का लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे इन दिनों सरकार के लिए किरकिरी का विषय बना हुआ है। करीब एक महीने में एक्सप्रेसवे कई जगहों पर धंस चुका है। इससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। मामले में बढ़ती किरकिरी के बीच एनएचएआई के पूर्व परियोजना निदेशक नकुल प्रकाश वर्मा को पद से हटा दिया गया। वहीं उनकी जगह बरेली के परियोजना निदेशक नवरतन को जिम्मेदारी सौंपी गई। एक्सप्रेसवे की तकनीकी जांच आईआईटी खड़गपुर के प्रोफेसर केएस रेड्डी के नेतृत्व में बनी विशेषज्ञों की टीम कर रही है। बीते शुक्रवार के टीम एक्सप्रेसवे पहुंची थी। सूत्र बताते हैं कि शनिवार को भी टीम एक्सप्रेसवे गई, जहां उन्होंने आठ जगहों से सैंपल कलेक्ट किए। प्रथमदृष्टया निर्माण सामग्री की गुणवत्ता कठघरे में खड़ी दिखाई देती है। आशंका है कि निर्माण सामग्री को जिस अनुपात में मिलाया जाना चाहिए था, पीएनसी इंफ्राटेक ने ऐसा नहीं किया, जिसकी वजह से सड़क धंस रही है। साथ ही ड्रेनेज सिस्टम की गड़बड़ी भी सामने आ रही है। हालांकि अफसर अभी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। अधिकारियों का इतना कहना है कि हफ्तेभर में रिपोर्ट तैयार हो जाएगी, जिसके बाद ही ठोस रूप से कुछ कहा जा सकता है।

'चुनावी स्वार्थ में रंग बदल रही सपा, जातिवादी राजनीति से सर्वसमाज रहे सावधान'

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए उस पर जातिवादी और संकीर्ण राजनीति करने का आरोप लगाया है। मायावती ने कहा कि बसपा 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की नीति पर चलती है और उत्तर प्रदेश में चार बार बनी बसपा सरकारों ने भी इसी सिद्धांत के आधार पर काम किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर चुनावी स्वार्थ के लिए बार-बार अपना राजनीतिक रंग बदलने का आरोप लगाते हुए सर्वसमाज के लोगों से ऐसी राजनीति से सावधान रहने की अपील की।मायावती ने सपा के 'पीडीए' फॉर्मूले पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि पहले 'पी' से पिछड़े और अब 'पंडित' करने की कोशिश की जा रही है। मायावती का कहना है कि ब्राह्मण समाज के लोगों का बसपा से जुड़ाव बढ़ने से समाजवादी पार्टी विचलित नजर आ रही है और इसी वजह से वह अपनी राजनीतिक रणनीति में बदलाव करती दिखाई दे रही है।बसपा सुप्रीमो ने सपा की राजनीति को छल और छद्म की राजनीति बताते हुए कहा कि चुनावी लाभ के लिए समाज को अलग-अलग जातीय समूहों में बांटने की कोशिश किसी व्यक्ति विशेष के लिए राजनीतिक रूप से लाभदायक हो सकती है, लेकिन इससे पूरे समाज का भला नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि बसपा की राजनीति किसी एक जाति या वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि पार्टी सर्वसमाज के हितों को ध्यान में रखकर राजनीति करने में विश्वास रखती है।मायावती ने कहा कि बसपा की 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की नीति का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को समान अवसर और सम्मान दिलाना है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में बसपा की चार सरकारों के दौरान इसी सिद्धांत को केंद्र में रखकर शासन चलाया गया।उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों से अपील करते हुए कहा कि वे सपा की संकीर्ण जातिवादी राजनीति और चुनावी स्वार्थ से प्रेरित राजनीतिक दावों से सावधान रहें तथा अपने हितों को ध्यान में रखकर राजनीतिक निर्णय लें। मायावती ने कहा कि समाज को बांटने वाली राजनीति के बजाय ऐसी राजनीति की जरूरत है जो सभी वर्गों के हितों और सम्मान की बात करे।

प्रदेश में पूरी तरह सक्रिय है मानसून, मप्र से सटे जिलों में रविवार को भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ। प्रदेश में मानसून दक्षिणी भाग में पहुंचने के कारण मध्य प्रदेश से सटे जिलों में भारी बारिश की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश के मुताबिक आज मध्य प्रदेश से सटे जिलों में अच्छी बारिश होगी और बाकी जगहों पर बादलों की आवाजाही के साथ छिटपुट बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर बना निम्न दबाव क्षेत्र अब कमजोर पड़ गया है, वहीं मानसूनी द्रोणी अपनी सामान्य स्थिति के करीब है। यह अनूपगढ़, दिल्ली, आगरा, होते हुए पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी की ओर जा रही है। इसके अलावा दक्षिणी पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी ओडिशा के आसपास बना निम्न दबाव क्षेत्र भी मानसूनी द्रोणी की अक्ष रेखा के साथ पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। इन मौसमी परिस्थितियों के चलते अगले तीन दिनों के दौरान

समिट बिल्डिंग फर्जी इंटरनेशनल कॉल सेंटर मामले में एक और आरोपी अहमदाबाद से गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। समिट बिल्डिंग स्थित फर्जी इंटरनेशनल कॉल सेंटर मामले की जांच में लखनऊ पुलिस की अपराध शाखा को एक और सफलता मिली है। तकनीकी और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने प्रकरण से जुड़े एक अन्य आरोपी को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी के साथ ही मामले में अब तक गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 123 हो गई है। पुलिस के अनुसार, समिट बिल्डिंग में संचालित फर्जी इंटरनेशनल कॉल सेंटर के संबंध में चल रही विवेचना के दौरान प्राप्त तकनीकी एवं डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया। इसी आधार पर जांच टीम को एक अन्य व्यक्ति की संलिप्तता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए पद्मशाली नीतेशभाई पुत्र पद्मशाली अरविन्दभाई, उम्र करीब 38 वर्ष, निवासी खम्भात, आनंद, गुजरात को अहमदाबाद से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के मुताबिक, अब तक इस प्रकरण में कुल 123 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। इनमें 119 आरोपियों को समिट बिल्डिंग से गिरफ्तार किया गया था, जबकि तीन आरोपियों कोलकाता से और एक आरोपी को गुजरात से गिरफ्तार किया गया है। ताजा गिरफ्तारी तकनीकी और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर की गई है।जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी पूर्व में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम से संबंधित एक मामले में आरोपित रह चुका है। वर्ष 2019 में उसके खिलाफ गुजरात के आनंद कोतवाली में आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था और वह उस मामले में जमानत पर है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत, साथी घायल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सैरपुर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह हुए सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी मामूली रूप से घायल हो गया। हादसा रैथा रोड पर छठामील तिराहा से कुछ दूरी आगे हुआ।पुलिस के अनुसार, 8 अगस्त 2026 को सुबह करीब 8:30 बजे सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। सूचना पर सैरपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि राम कृष्ण पुत्र अशरफी लाल (36), निवासी कछौना पतसेनी चौराहा, थाना कछौना, हरदोई, वर्तमान में ग्राम तिरहिया, थाना सैरपुर, लखनऊ में किराये के मकान में रह रहे थे। वह अपने मित्र प्रदीप पुत्र अशोक (28), निवासी सरैया बाजार, थाना सैरपुर, लखनऊ के साथ मोटरसाइकिल से निजी कार्य एवं मजदूरी के सिलसिले में जा रहे थे।इसी दौरान रैथा रोड पर छठामील तिराहा से कुछ दूरी आगे एक ट्रैक्टर ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे राम कृष्ण की मौके पर ही मौत हो गई। मोटरसाइकिल चला रहे प्रदीप को मामूली चोटें आईं। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें छुट्टी दे दी।पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा एवं पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक के परिजन मौके पर मौजूद हैं और पुलिस द्वारा उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर-ट्रॉली को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। वाहन चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम प्रयास कर रही है। प्राप्त तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

इंदिरानगर में चोरी के प्रयास के दौरान वृद्ध दंपति पर हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। इंदिरानगर थाना क्षेत्र के बजरंग चौराहा, अमराई गांव में घर में घुसकर चोरी के प्रयास के दौरान वृद्ध दंपति और उनकी बेटी पर हमला कर गंभीर रूप से घायल करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से नकब लगाने में इस्तेमाल होने वाले पेचकश, प्लास, छेनी और हथौड़ी समेत अन्य सामान बरामद किया है। दोनों आरोपी मजदूरी करते हैं और पुलिस के अनुसार उनके खिलाफ लखनऊ, बाराबंकी और अन्य जिलों के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं।पुलिस के मुताबिक, बजरंग चौराहा अमराई गांव निवासी दीपक गुप्ता पुत्र उमेश चन्द्र गुप्ता ने 25 जुलाई 2026 को थाना इंदिरानगर में तहरीर देकर बताया था कि दो अज्ञात चोर घर के पीछे की दीवार कूदकर अंदर घुस आए थे। चोरी के प्रयास के दौरान आरोपियों ने उनकी माता शान्ती देवी, पिता उमेश चन्द्र गुप्ता और बहन के साथ मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर घटना के शीघ्र अनावरण और आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसके बाद थाना इंदिरानगर पुलिस के साथ अपराध शाखा कमिश्नरेट लखनऊ और पुलिस उपायुक्त पूर्वी की अपराध एवं निगरानी टीमों को लगाया गया।संयुक्त पुलिस टीमों ने संदिग्धों से पूछताछ, निगरानी और लगातार प्रयास के बाद 8 अगस्त 2026 को मानस तिराहे के पास स्थित पार्क से घटना से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उदयराज पुत्र हरिहर प्रसाद, उम्र करीब 37 वर्ष, निवासी दहला, थाना रामपुर मथुरा, जनपद सीतापुर और विनोद वर्मा पुत्र राम, उम्र करीब 40 वर्ष, निवासी समरदहा, थाना रामपुर मथुरा, जनपद सीतापुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी मजदूरी करते हैं।पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली कि घटना से पहले आरोपियों के एक साथी ने बजरंग चौराहे के पास घूमकर एक दुकान और उसके आसपास के क्षेत्र की रैकी की थी। रैकी के दौरान उसे पता चला कि दुकान चलाने वाले वृद्ध पुरुष और महिला के घर के आसपास सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। इसके बाद चारों ने मिलकर घर में चोरी की योजना बनाई। 24 जुलाई की रात करीब 10 बजे चारों आरोपी मौके पर पहुंचे। दो आरोपी बाहर निगरानी करने लगे, जबकि दो आरोपी आसपास के खाली प्लाट और निर्माणाधीन मकान के रास्ते छत पर पहुंचे और पाइप के सहारे घर में नीचे उतर गए।

शराब पीने को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

देशी शराब की दुकान पर शराब पीने को लेकर हुए विवाद के दौरान मारपीट में युवक की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र के सालेह नगर तिराहे पर 6 अगस्त की रात स्विफ्ट डिजायर कार में मृत मिले युवक की हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, देशी शराब की दुकान पर शराब पीने को लेकर हुए विवाद के दौरान मारपीट में युवक की मौत हो गई थी। इसके बाद आरोपियों ने शव को कार की पिछली सीट पर लिटा दिया और कार को सालेह नगर तिराहे पर खड़ा कर मौके से फरार हो गए।पुलिस के मुताबिक, 6 अगस्त 2026 की रात सालेह नगर तिराहे पर खड़ी स्विफ्ट डिजायर कार संख्या UP33BB8989 में एक अज्ञात व्यक्ति के मृत अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद मृतक की पहचान ज्ञानेन्द्र सिंह पुत्र उदय भान सिंह, निवासी ग्राम एवं पोस्ट बरहा, थाना खीरो, जनपद रायबरेली के रूप में की। पुलिस ने शव का पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में चोट लगने के कारण मृत्यु होने की बात सामने आई। मामले में 8 अगस्त को मृतक के भाई शशिवेन्द्र सिंह ने थाना आशियाना में लिखित तहरीर देकर अज्ञात व्यक्तियों पर अपने भाई की हत्या करने का आरोप लगाया। तहरीर के आधार पर थाना आशियाना में मुकदमा संख्या 207/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की विवेचना प्रभारी निरीक्षक गजेन्द्र कुमार राय द्वारा की जा रही थी।घटना के अनावरण के लिए आशियाना पुलिस की टीमों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ अन्य वीडियो साक्ष्यों और तकनीकी जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि 6 अगस्त को देशी शराब की दुकान पर शराब पीने को लेकर कुछ लोगों के बीच विवाद हुआ था। विवाद के दौरान मारपीट हुई, जिसमें ज्ञानेन्द्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपियों ने शव को कार की पिछली सीट पर लिटा दिया और कार को सालेह नगर तिराहे पर खड़ा करके वहां से फरार हो गए।सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने घटना में सचिन उर्फ चाइना पुत्र स्वर्गीय सुरेन्द्र पासी, उम्र करीब 30 वर्ष, निवासी भदरूख, बंगला बाजार, थाना आशियाना, लखनऊ तथा जितेन्द्र उर्फ जीतू पुत्र बुद्धू लाल, उम्र करीब 37 वर्ष, निवासी भदरूख, बंगला बाजार, थाना आशियाना, लखनऊ के नाम प्रकाश में आए। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को 8 अगस्त को औरंगाबाद अंडरपास, थाना आशियाना क्षेत्र से हिरासत में ले लिया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी सचिन उर्फ चाइना के खिलाफ वर्ष 2015 में थाना आशियाना में मारपीट, महिला से संबंधित अपराध, लूट, तोड़फोड़, घर में घुसने, गाली-गलौज और धमकी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। वहीं जितेन्द्र उर्फ जीतू के आपराधिक इतिहास के संबंध में अन्य थानों से जानकारी जुटाई जा रही है।पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ की है। गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। घटना के सफल अनावरण में प्रभारी निरीक्षक गजेन्द्र कुमार राय के नेतृत्व में उपनिरीक्षक शुभम मेंहदियान, आलोक पाण्डेय, विनय कुमार राय, दिनेश कुमार, मनीष सिंह, प्रतीक सिंह, अभिषेक सिंह तथा आरक्षी सुमित कुमार की भूमिका रही।

लखनऊ से गोवा जाने वाली सीधी उड़ान हुई बंद, यात्री न मिल पाने की वजह से लिया गया फैसला; अब ये विकल्प

लखनऊ। इंडिगो एयरलाइंस ने लखनऊ से गोवा की सीधी उड़ान बंद कर दी है। यात्रियों की घटती संख्या की वजह से यह निर्णय लिया गया है। हालांकि सूत्र बताते हैं कि सितंबर में विमान सेवा दोबारा शुरू की जा सकती है। साल के अंत में गोवा के लिए लखनऊ से अच्छा ट्रैफिक मिलता है। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से सीधी उड़ानों की संख्या लगातार कम हो रही है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद श्रीनगर की सीधी उड़ान बंद कर दी गई। यह विमान सेवा लखनऊ से दो घंटे के अंदर यात्रियों को श्रीनगर पहुंचा रही थी। श्रीनगर का किराया भी महज आठ हजार रुपये के आसपास होने से राहत थी। लेकिन अब यात्रियों को दिल्ली के रास्ते श्रीनगर जाना पड़ता है, जिससे उनका समय व धन अधिक खर्च होता है। इसी क्रम में लखनऊ से गोवा की सीधी उड़ान भी बंद कर दी गई है।

संक्षेप

खारजा नाला में डूबे युवक का शव दो दिन बाद बरामद

लखनऊ। चिनहट थाना क्षेत्र के लौलाई स्थित खारजा नाला में नहाते समय डूबे 26 वर्षीय युवक का शव दो दिन बाद शनिवार सुबह बरामद कर लिया गया। युवक की पहचान सूरज रावत पुत्र स्वर्गीय मेवा लाल, निवासी बरुआ अमेठी, थाना गोसाईंगंज, लखनऊ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 6 अगस्त 2026 को शाम करीब छह बजे सूचना मिली थी कि सूरज रावत नहाते समय खारजा नाला में डूब गया है। सूचना मिलते ही चिनहट पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बताया गया कि सूरज लौलाई क्षेत्र में रहकर बालू-गिट्टी का काम और मजदूरी करता था। घटना के समय वह अपने अन्य साथियों के साथ नाले में नहाने गया था। इसी दौरान गहरे पानी में चले जाने से वह डूब गया।युवक की तलाश के लिए स्थानीय गोताखोरों के साथ एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया। पुलिस की निगरानी में लगातार तलाशी अभियान चलाया गया। शनिवार 8 अगस्त को सुबह करीब सात बजे तलाश के दौरान खारजा नाला से सूरज रावत का शव बरामद कर लिया गया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है। पुलिस द्वारा मामले में नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। मौके पर कानून-व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

इंजेक्शन लगने के बाद बच्चे की मौत के वीडियो का पुलिस ने लिया संज्ञान, जांच जारी

लखनऊ। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे "इंजेक्शन लगाए जाने के बाद बच्चे की मृत्यु" से संबंधित वीडियो का थाना ठाकुरगंज पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू की।पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आया कि मोहम्मद असगर मेहंदी (उम्र करीब 2 वर्ष 6 माह), पुत्र फुरकान, निवासी कजमैन, थाना सहादतगंज, लखनऊ, पिछले कई दिनों से टाइफाइड से पीड़ित था और उसकी तबीयत खराब चल रही थी।तबीयत बिगड़ने पर परिजन बच्चे को उपचार के लिए डॉ. जैगम अब्बास के मकराना गली, थाना ठाकुरगंज स्थित क्लीनिक पर लेकर पहुंचे। क्लीनिक पर उपचार के दौरान बच्चे की हालत खराब होने पर चिकित्सक ने उसे आगे के उपचार के लिए रेफर कर दिया। परिजन बच्चे को लेकर आगे उपचार के लिए गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।पुलिस का कहना है कि प्रकरण से संबंधित उपलब्ध तथ्यों एवं परिस्थितियों की जांच की जा रही है। फिलहाल थाना स्थानीय पर परिजनों की ओर से कोई तहरीर या शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। यदि परिजनों द्वारा शिकायत दी जाती है तो उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।पुलिस द्वारा मामले पर आवश्यक निगरानी रखी जा रही है। क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

मछली पकड़ते समय गोमती नदी में डूबे अधेड़ की मौत, शव बरामद

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र के ग्राम वीरपुर निवासी 45 वर्षीय मुन्नी लाल की गोमती नदी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कराई, जिसके बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया।पुलिस के अनुसार, मुन्नी लाल पुत्र रामऔतार 6 अगस्त 2026 को सुबह करीब 10 बजे ग्राम मझौवा स्थित गोमती नदी में मछली पकड़ने गया था। मछली पकड़ने के दौरान अचानक पैर फिसल जाने से वह नदी में डूब गया।सूचना मिलने पर माल पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से डूबने वाले स्थान पर तलाश एवं खोजबीन शुरू कराई। काफी प्रयास के बाद मुन्नी लाल का शव घटनास्थल से करीब 10 मीटर आगे बरामद हुआ।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा एवं पोस्टमार्टम की कार्रवाई नियमानुसार कराई। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस के मुताबिक, घटना के संबंध में हत्या अथवा किसी अन्य आपराधिक घटना से संबंधित कोई तहरीर थाने पर प्राप्त नहीं हुई है। प्रथम दृष्टया उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मछली पकड़ने के दौरान पैर फिसलने से नदी में डूबने के कारण हादसा हुआ। पुलिस द्वारा घटना से संबंधित तथ्यों एवं परिस्थितियों का सत्यापन करते हुए नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बीकेटी में नहर से 61 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद, पोस्टमार्टम से मौत के कारण होंगे स्पष्ट

लखनऊ। बीकेटी थाना क्षेत्र के ग्राम बरगदी के पास नहर में शनिवार को एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से शव को नहर से बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान मानपुर बाना निवासी 61 वर्षीय अवधेश शर्मा के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, 8 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 12:45 बजे सूचना मिली कि ग्राम बरगदी के पास नहर में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही बीकेटी पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। स्थानीय लोगों की मदद से शव को नहर से बाहर निकलवाया गया।मृतक की पहचान अवधेश शर्मा पुत्र तुलसी राम, उम्र करीब 61 वर्ष, निवासी मानपुर बाना, थाना बीकेटी, लखनऊ के रूप में हुई। सूचना मिलने पर मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने शव की पहचान की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शव करीब एक दिन पुराना प्रतीत हो रहा है।घटना की जानकारी मिलने के बाद फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य संकलित किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक, फिलहाल मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा घटनास्थल से प्राप्त अन्य साक्ष्यों के आधार पर मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। मामले में पुलिस द्वारा सभी आवश्यक तथ्यों की जांच करते हुए नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

संस्थाओं के ऊपर से लोगों का भरोसा समाप्त

एक एक करके इस देश की हर संस्था की साख खत्म होती जा रही है और संस्थाओं के ऊपर से लोगों का भरोसा समाप्त है, और इसका नया आयाम कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी की ओर से जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन शुरू हुआ घटनाक्रम भी है। ध्यान रहे देश दो चीजों पर भरोसे से चलता है। पहली चीज है इलेक्शन और दूसरी चीज है एग्जामिनेशन। इन दोनों पर भरोसे का संकट है। एक के बाद एक चुनाव जीतने की जिद में भाजपा ने ऐसे काम किए, जिनसे लोगों का भरोसा घटा। यह सिर्फ विपक्षी पार्टियों का मामला नहीं है। आम लोगों के मन में भी यह धारणा बैठ गई है कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। यह धारणा बनवाने में भाजपा का इकोसिस्टम भी समान रूप से जिम्मेदार है। 'मोदी है तो मुमकिन है का नारा भी इस धारणा को मजबूत करता है। भाजपा इकोसिस्टम के लोग अमित शाह की लार्जर दैन लाइफ छवि बनाने के लिए ऐसा प्रचार करते हैं कि वे जहां हाथ डाल देंगे वहां कामयाबी मिलेगी।

रील्स और वीडियो बना कर प्रचारित कराया जाता है कि वे जहां चाहेंगे वहां चुनाव जिता देंगे। पश्चिम बंगाल की जीत के बाद यह प्रचार तेज हुआ है। लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीट पर आ गई थी। लेकिन उसके बाद महाराष्ट्र से लेकर हरियाणा और दिल्ली व बिहार में जैसे वह जीती है उससे भी लोगों के मन मे यह धारणा बैठी कि कुछ भी हो जाए भाजपा जीतेगी। इससे चुनाव आयोग के साथ साथ चुनाव की विश्वसनीयता प्रभावित हुई। भाजपा के लोग मजाक में ही सही लेकिन इस धारणा का प्रचार करते हैं कि वोट किसी को दीजिए, वह जाएगा भाजपा के खाते में और चुनाव कोई जीते सरकार भाजपा बनाएगी। इन बातों से समूची चुनाव प्रक्रिया संदेह के घेरे में आई है।

जंतर मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान जिस तरह से मीडिया के एक समूह ने प्रदर्शनकारियों को विलेन बना कर सरकार का एजेंडा चलाया उसने मीडिया की विश्वसनीयता को और कम किया। इससे पहले दूसरे प्रदर्शनों में भी ऐसा ही होता था परंतु किसान हों या शाहीन बाग के प्रदर्शनकारी वे 'जेन जी की तरह मुखर या सामने से प्रतिवाद करने वाले नहीं थे। लेकिन युवाओं ने प्रतिवाद किया और यह देखने को मिला कि उन्होंने मुख्यधारा की मीडिया को लगभग समूचे आंदोलन से बाहर रखा। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए नैरेटिव बनाया या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही आंदोलन की जगह बना दिया। कई मीडियाकर्मियों के साथ जंतर मंतर पर जो हुआ वह भरोसे की कमी का ही संकेत है।

प्रदर्शन समाप्त करने के लिए दो केंद्रीय मंत्रियों ने सीजेपी के प्रदर्शनकारियों से वार्ता की और उनकी सारी मांगें मान लीं लेकिन उसके बाद भी छात्रों और युवाओं पर कार्रवाई नहीं रूकी और अब सुप्रीम कोर्ट के एक अंतरिम आदेश के बहाने छात्रों की श्रेणियां बना कर उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है। प्रदर्शनकारियों में आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोग अलग छांटे जा रहे हैं। नाबालिग और बालिग छात्रों की अलग श्रेणी बन रही है। ऐसे में छात्र या युवा किस पर भरोसा करेंगे?

उनका भरोसा न तो राजनीतिक नेतृत्व पर है और न अदालत पर। पुलिस या किसी और सुरक्षा एजेंसी पर उनका भरोसा नहीं होगा क्योंकि राजनीतिक नेतृत्व के कहने पर उनके साथ जैसा बरताव हुआ वह बहुत खराब था। बाद में उलटे पुलिस वालों के परिजनों से प्रेस कॉन्फ्रेंस करा कर उनको विक्टिम और छात्रों को उपद्रवी साबित करने का प्रयास हुआ। सो, चाहे सरकार हो, सत्तारूढ़ दल हो, मीडिया हो, पुलिस या सुरक्षा बल हों या अदालत हो, छात्रों और युवाओं की नजर में किसी की साख नहीं बची। फिल्मों की साख पहले से नहीं थी लेकिन इन दिनों प्रोपेगेंडा फिल्मों का ऐसा दौर आया है कि उनके जरिए भी भारत की खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों के कामकाज का मजाक बनाया जा रहा है। उनकी भी साख दांव पर लगाई जा रही है। तब बचने या बचाने के लिए बचेगा क्या?

FCRA Bill पर हल्ला मचा रहे विपक्षी दलों और ईसाई संगठनों को मार्को रुबियो का बयान सुनना चाहिए

नीरज कुमार दुबे

केंद्र सरकार के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में एफसीआरए के तहत पंजीकृत सक्रिय संगठनों की संख्या घटी है, लेकिन विदेशी चंदे का प्रवाह बना हुआ है।

केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक को लेकर देश में तो इस समय व्यापक बहस छिड़ी ही हुई है, साथ ही इसकी गूंज अमेरिका तक सुनाई दे रही है। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो पहले स्वयं यह कह चुके हैं कि किसी भी देश में विदेशी फंड से संचालित संस्थाओं को वहां की संप्रभु सरकार के समानांतर व्यवस्था नहीं चलानी चाहिए और उन्हें मेजबान देश के कानूनों का सम्मान करना चाहिए। इसके बावजूद अमेरिकी सांसद राइली मूर भारत के प्रस्तावित कानून की आलोचना कर रहे हैं। दूसरी ओर, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार ने उन्हें आश्वस्त किया है कि प्रस्तावित संशोधन को पूर्व प्रभाव (रेट्रोस्पेक्टिव) से लागू नहीं किया जाएगा। इन घटनाक्रमों के बीच मोदी सरकार का स्पष्ट संदेश है कि विदेशी धन प्राप्त करने वाले संगठनों के संचालन में पारदर्शिता, जवाबदेही और भारतीय कानूनों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगा। भौगोलिकसंदर्भ

हम आपको बता दें कि केंद्र सरकार के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में एफसीआरए के तहत पंजीकृत सक्रिय संगठनों की संख्या घटी है, लेकिन विदेशी चंदे का प्रवाह बना हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2024-25 में 16,200 संगठनों को लगभग 22,963 करोड़ रुपये का विदेशी योगदान प्राप्त हुआ। वहीं बड़ी संख्या में ऐसे संगठनों के एफसीआरए लाइसेंस निरस्त या समाप्त भी किए गए हैं। सरकार का कहना है कि केवल वैध पंजीकरण रखने वाले संगठनों को ही विदेशी धन प्राप्त करने और उसका उपयोग करने का अधिकार होना चाहिए।

हम आपको बता दें कि सरकार द्वारा लाए गए संशोधन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यदि किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो जाता है, रद्द हो जाता है, नवीनीकृत नहीं होता या संस्था स्वयं उसे छोड़ देती है, तो विदेशी धन से निर्मित परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए एक ₹नामित प्राधिकरण₹ की व्यवस्था की जाएगी। यदि बाद में संस्था का पंजीकरण बहाल हो जाता है तो संबंधित संपत्तियां और अप्रयुक्त विदेशी योगदान वापस कर दिए जाएंगे। यदि ऐसा नहीं होता, तो कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार का तर्क है कि यह व्यवस्था किसी नए अधिकार का सृजन नहीं, बल्कि पहले से मौजूद प्रावधानों को अधिक स्पष्ट और व्यवस्थित बनाने का प्रयास है।

वहीं प्रस्तावित संशोधन को लेकर कुछ चर्च संगठनों ने आशंकाएं भी व्यक्त की हैं। उनका कहना है कि कानून की कुछ धाराएं अत्यधिक कठोर हैं और उन्हें संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा जाना चाहिए। इसी उद्देश्य से विभिन्न चर्च संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। वहीं मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने अमित शाह के साथ बैठक के बाद कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया है कि प्रस्तावित संशोधन को पूर्व प्रभाव से लागू नहीं किया जाएगा।

हम आपको यह भी बता दें कि केंद्र सरकार ने इन आशंकाओं का विस्तार से जवाब भी दिया है। सरकार का कहना है कि प्रस्तावित कानून किसी विशेष धर्म, समुदाय या विचारधारा को निशाना नहीं बनाता। एफसीआरए के प्रावधान सभी विदेशी चंदा प्राप्त करने वाले संगठनों पर समान रूप से लागू होते हैं। केंद्र सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी धार्मिक स्थल से जुड़ी संपत्ति का मामला आता है तो उसके धार्मिक स्वरूप को कानूनन सुरक्षित रखा जाएगा। साथ ही, नामित प्राधिकरण के आदेश अंतिम नहीं होंगे और उनके विरुद्ध न्यायालय में अपील का अधिकार भी उपलब्ध रहेगा।

उधर, इस पूरे विवाद का अंतरराष्ट्रीय पहलू भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अमेरिकी सांसद राइली मूर ने आरोप लगाया कि यह कानून चर्चों और ईसाई संस्थाओं के खिलाफ है। हालांकि स्वयं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पिछले वर्ष यह कहा था कि विदेशी सहायता कार्यक्रम मेजबान देशों की सरकारों के समानांतर नहीं चलने चाहिए और विदेशी वित्तपोषित संस्थाओं को संबंधित देश की नीतियों और कानूनों के अनुरूप काम करना चाहिए। यही कारण है कि भारत के संदर्भ में उठ रही आलोचना पर दोहरे मापदंड का प्रश्न भी सामने आया है।

देखा जाये तो लोकतंत्र में किसी भी कानून पर बहस और समीक्षा का अधिकार सभी को है, लेकिन भारत की संप्रभुता और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हैं। यदि कोई संगठन विदेशी चंदे के सहारे पूरी पारदर्शिता और भारतीय कानूनों का पालन करते हुए जनकल्याण का कार्य करता है, तो उसके लिए इस कानून से घबराने का कोई कारण नहीं होना चाहिए। इसके विपरीत, जिन संस्थाओं या तत्वों ने विदेशी धन का उपयोग नियमों से इतर गतिविधियों, अपारदर्शी वित्तीय लेन-देन या भारत में अस्थिरता और अशांति फैलाने के प्रयासों के लिए किया है, उनके लिए स्वाभाविक रूप से चिंता की स्थिति पैदा हो सकती है क्योंकि प्रस्तावित संशोधन निगरानी, जवाबदेही और कानूनी अनुपालन को और मजबूत करने का प्रयास करता है। मोदी सरकार का कहना है कि यह कानून किसी धर्म या समुदाय को लक्षित नहीं करता, बल्कि विदेशी अंशदान के नियमन और पारदर्शिता के लिए समान रूप से लागू होगा। ऐसे में यदि विदेशी फंडिंग के नाम पर नियमों की अनदेखी करने वालों की मुश्किलें बढ़ती हैं, तो इसे कानून के दायरे में जवाबदेही सुनिश्चित करने की प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।

बहरहाल, संसद में होने वाली चर्चा के बाद कानून का अंतिम स्वरूप तय होगा, लेकिन यह स्पष्ट है कि विदेशी धन के उपयोग पर प्रभावी निगरानी और राष्ट्रीय हितों की रक्षा किसी भी संप्रभु राष्ट्र की वैध जिम्मेदारी है।

व्यंग्य

विश्वसनीय संकेत अभी नहीं

क्या नए बिल और निलेकणी समिति के गठन से समस्याएं दूर हो जाएंगी? संभवतः नहीं, क्योंकि वजह तकनीकी कमजोरियां नहीं हैं। इसके कुछ कारण नीतिगत हैं, तो कुछ सिस्टम में अंदर तक पहुंचा कथित भ्रष्टाचार। नरेंद्र मोदी सरकार ने परीक्षा व्यवस्था में उभरी खामियों का तकनीकी समाधान पेश करने की कोशिश की है। इसके अलावा कानूनी उपाय के जरिए अपने सख्त इरादे का संदेश देने का प्रयास उसने किया है। मगर अंदाज वही पुराना हैः मीडिया में मोटी सुर्खियां बनाने वाली घोषणाएं करना, जिससे लोग मानने लगें कि सरकार सब कुछ दुरुस्त करने के लिए सचमुच दृढ़-संकल्प है! इस साल नीट पेपर लीक होने के बाद ऐसी ही धारणा बनाने के लिए निर्णय लिया गया था कि दोबारा होने वाली नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र वायु सेना के विमान से भेजे जाएंगे! उसी राह पर चलते हुए अब केंद्र ने पेपर लीक से संबंधित कानून को पहले से ज्यादा सख्त बनाने का बिल पेश किया है।

मगर सख्त कानून, अत्यधिक कड़ी सज़ा के प्रावधान, और फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसी बातें विभिन्न मामलों में इतनी बेअसर साबित हुई हैं कि उनसे युवा वर्ग को संतुष्ट करना अब कठिन हो सकता है। परीक्षा तंत्र को तकनीकी रूप से दुरुस्त करने के उपाय सुझाने के लिए नंदन निलेकणी की अध्यक्षता में बनी समिति उपजी शिकायतों को दूर कर पाएगी, इसकी संभावना भी कम ही है। इसलिए कि पेपर लीक या शिक्षा व्यवस्था में उभरी खामियों की वजह तकनीकी कमजोरियां नहीं हैं। इसकी कुछ वजहें नीतिगत हैं, जबकि ज्यादा दिक्कत सिस्टम में फैले कथित भ्रष्टाचार से उभरी है।

यहां इसे अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि कितना भी दोषमुक्त डिजिटल सिस्टम कायम कर लिया जाए, वह संदिग्ध नियुक्तियों, संस्थाओं की कमजोरी, और शासन-तंत्र में नैतिकता के ह्रास से उत्पन्न होने वाली समस्याओं की भरपाई नहीं कर सकता। ना ही उससे शिक्षा को मुनाफे के कारोबार में तब्दील करने वाली नीतियों से बनी स्थिति का समाधान ढूंढा जा सकता है। पेपर लीक के हालिया मामलों में अंदर तक पहुंच रखने वाले लोगों, कोचिंग संस्थानों, और लीक पेपर खरीदने को तैयार लोगों के बाजार की मिलीभगत के गंभीर आरोप लगे हैं। नीलेकणी समिति इसका क्या समाधान पेश करेगी? अतः मामला व्यवस्थागत है, जिसका सीधा संबंध राजनीतिक इच्छाशक्ति से है। इस स्थिति को सरकार सचमुच बदलना चाहती है, इसके विश्वसनीय संकेत अभी नहीं मिले हैं।

ब्लॉग

'अगर ऐसा है तो मैं खुद को सांप्रदायिक कहने से नहीं हिचकूंगी', संसद में ऐसा कह कर सुषमाजी ने सबको हैरान कर दिया था

नीरज कुमार दुबे

आज जब पूरा देश पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है, तब हर भारतीय के मन में उनकी मुस्कुराती छवि, ओजस्वी आवाज़ और मानवीय संवेदनाओं से भरा व्यक्तित्व एक बार फिर जीवंत हो उठता है। देखा जाये तो भारतीय राजनीति में ऐसे नेता विरले ही हुए हैं, जिनकी लोकप्रियता केवल अपनी पार्टी तक सीमित न रहकर राजनीतिक सीमाओं को भी पार कर गई हो। सुषमा स्वराज उन्हीं असाधारण नेताओं में थीं। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, संसद हो या अंतरराष्ट्रीय मंच, उनके शब्दों में दृढ़ता थी, विचारों में स्पष्टता थी और व्यवहार में ऐसी आत्मीयता थी, जिसने उन्हें हर दल के नेताओं और करोड़ों भारतीयों का सम्मान दिलाया। छह अगस्त 2019 को 67 वर्ष की आयु में उनके निधन ने भारतीय राजनीति को एक ऐसी आवाज़ से वंचित कर दिया, जिसकी कमी आज भी महसूस की जाती है। राजनीति

सुषमा स्वराज का अंतिम सार्वजनिक संदेश भी उनके राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी वैचारिक प्रतिबद्धताओं में से एक का प्रतीक बन गया। छह अगस्त 2019 की शाम 7:23 बजे उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टैग करते हुए ट्वीट लिखा था, ₹धन्यवाद प्रधानमंत्री जी। मैं अपने जीवनकाल में इस दिन को देखने की प्रतीक्षा कर रही थी।₹ यह संदेश जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के ऐतिहासिक निर्णय पर उनकी प्रतिक्रिया थी। भारतीय जनता पार्टी वर्षों से जिस संकल्प को लेकर आगे बढ़ रही थी, उसे पूरा होते देखना उनके जीवन की सबसे बड़ी राजनीतिक इच्छाओं में शामिल था। विडंबना देखिए कि इस ऐतिहासिक क्षण पर खुशी व्यक्त करने के कुछ ही घंटों बाद उन्हें हृदयाघात हुआ और उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। यह संयोग उनके जीवन को एक भावनात्मक पूर्णविराम देता है। हरियाणा के एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मी सुषमा स्वराज ने ऐसे दौर में राजनीति में अपनी पहचान बनाई, जब यह क्षेत्र लगभग पूरी तरह पुरुषों के वर्चस्व वाला माना जाता था। हरियाणा में मात्र 25 वर्ष की आयु में वह भारत की सबसे युवा कैबिनेट मंत्री बनीं और 27 वर्ष की उम्र में राज्य में जनता पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व संभाला। बाद के वर्षों में वह लोकसभा सांसद, राज्यसभा सांसद और दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं, लोकसभा में विपक्ष की दूसरी महिला नेता रहीं और भारत की पहली पूर्णकालिक महिला विदेश मंत्री बनने का गौरव भी हासिल किया। उनका राजनीतिक सफर केवल पदों की सूची नहीं था, बल्कि उन तमाम सामाजिक और

राजनीतिक बाधाओं को तोड़ने की कहानी था, जिन्हें लंबे समय तक महिलाओं के सामने अजेय माना जाता रहा।

सुषमा स्वराज की सबसे बड़ी पहचान उनकी अद्भुत वक्तृत्व कला थी। संसद में उनके भाषण केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप नहीं होते थे, बल्कि उनमें इतिहास, संस्कृति, तर्क और संवेदना का अनूठा संगम दिखाई देता था। वर्ष 1996 में लोकसभा में दिया गया उनका 'धर्मनिरपेक्षता' पर भाषण आज भी भारतीय संसदीय इतिहास के सबसे चर्चित भाषणों में गिना जाता है। उन्होंने पूरे आत्मविश्वास से कहा था कि यदि वंदे मातरम् का सम्मान करना, राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा की रक्षा करना, अनुच्छेद 370 को समाप्त करने की मांग करना और समान नागरिक संहिता की वकालत करना सांप्रदायिकता है, तो वे स्वयं को सांप्रदायिक कहने से नहीं हिचकेंगी। लेकिन इसी भाषण में उन्होंने धर्मनिरपेक्षता की अपनी परिभाषा भी दी कि एक अच्छा हिंदू, अच्छा मुसलमान, अच्छा सिख और अच्छा ईसाई वही है, जो अपने धर्म का पालन करते हुए दूसरे धर्मों का भी समान सम्मान करे। उनके इस दृष्टिकोण ने वैचारिक बहस को नई दिशा दी और विरोधी दलों के कई नेताओं ने भी उनकी तार्किक क्षमता की सराहना की।

भारतीय संस्कृति की उनकी व्याख्या भी उतनी ही प्रभावशाली थी। जब संसद में भारतीयता की अवधारणा पर प्रश्न उठे, तब उन्होंने भांगड़ा से भरतनाट्यम तक, राजमा-चावल से इडली-दोसा तक और अमरनाथ से रामेश्वरम तक की सांस्कृतिक यात्रा का उल्लेख करते हुए बताया कि विविधताओं के बीच यही एकता भारत की असली पहचान है। उन्होंने कहा कि यही वह संस्कृति है, जिसमें कश्मीर का श्रद्धालु अमरनाथ का जल लेकर रामेश्वरम में भगवान शिव का अभिषेक करता है। उनके इन शब्दों ने भारतीय सांस्कृतिक एकता की ऐसी तस्वीर प्रस्तुत की, जिसे आज भी याद किया जाता है।

हालांकि सुषमा स्वराज की सबसे अलग पहचान विदेश मंत्री के रूप में बनी। वर्ष 2014 में जब उन्होंने विदेश मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली, तब कई लोगों को लगा कि विदेश नीति का पूरा केंद्र प्रधानमंत्री कार्यालय ही रहेगा। लेकिन उन्होंने अपने काम और संवेदनशीलता से यह धारणा बदल दी। उन्होंने विदेश मंत्रालय को आम भारतीय के जीवन से जोड़ दिया। सोशल मीडिया मंच ट्विटर को उन्होंने केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संकट में फंसे भारतीयों के लिए जीवनरेखा बना दिया। दुनिया के किसी भी कोने में कोई भारतीय मुश्किल में होता, तो लोग सीधे उन्हें टैग करते और कुछ ही समय में उनकी ओर से प्रतिक्रिया आ जाती। चाहे जर्मनी के शरणार्थी शिविर में फंसी गुरप्रीत कौर हों, पाकिस्तान में जबरन विवाह का शिकार बनी उज्मा हों, मूक-बधिर गीता की स्वदेश वापसी हो या पाकिस्तान में फंसे हमीद अंसारी का मामला, हर जगह सुषमा स्वराज ने मानवीय संवेदनाओं के साथ हस्तक्षेप किया। उनकी कार्यशैली इतनी सक्रिय थी कि उन्होंने स्वयं कहा था, मैं न सोती हूँ और न ही भारतीय दूतावासों के अधिकारियों को सोने देती हूँ। उनके एक संदेश पर दुनिया के किसी भी देश में भारतीय दूतावास तत्काल सक्रिय हो जाता था। यही कारण था कि भारतीय राजनयिक अपने मोबाइल फोन हर समय चालू रखते थे। विदेश मंत्रालय को उन्होंने पहली बार ऐसा मानवीय चेहरा दिया, जहां फाइलों से पहले इंसान की पीड़ा को महत्व मिला। उनकी हाजिरजवाबी भी लोगों को बेहद पसंद थी। एक बार किसी व्यक्ति ने ट्विटर पर खराब रेफ्रिजरेटर की शिकायत कर दी, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ₹भाई, मैं रेफ्रिजरेटर के मामले में आपकी मदद नहीं कर सकती। मैं इस समय संकट में फंसे इंसानों की मदद में बहुत व्यस्त हूँ। विदेश नीति के स्तर पर भी उनके कार्यकाल में भारत ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। कुलभूषण जाधव मामले में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में भारत की कानूनी सफलता, डोकलाम विवाद के दौरान संतुलित कूटनीति, मालदीव संकट और नेपाल से जुड़े चुनौतीपूर्ण हालात का प्रबंधन, इस्लामिक सहयोग संगठन (OIC) की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व तथा पाकिस्तान के विरोध के बावजूद वहां भारत की प्रभावशाली उपस्थिति, ये सभी उपलब्धियां उनके नेतृत्व की गवाही देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रमुख विदेश यात्राओं की पृष्ठभूमि तैयार करने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन से लेकर चीन और किर्गिस्तान तक, उन्होंने परदे के पीछे रहकर भारतीय कूटनीति को मजबूती प्रदान की।

देखा जाये तो सुषमा स्वराज को केवल एक सफल राजनेता या कुशल प्रशासक के रूप में याद करना उनके व्यक्तित्व के साथ न्याय नहीं होगा। वह ऐसी जननेता थीं, जिन्होंने राजनीति को मानवीय संवेदना से जोड़ा। उनकी वाणी में ओज था, विचारों में स्पष्टता थी, निर्णयों में राष्ट्रहित सर्वोपरि था और व्यवहार में ऐसी आत्मीयता थी कि राजनीतिक विरोधी भी उनका सम्मान करते थे। शायद यही कारण था कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी उन्हें भारत की सबसे लोकप्रिय नेताओं में शुमार किया। आज उनकी पुण्यतिथि पर देश उन्हें केवल एक पूर्व विदेश मंत्री के रूप में नहीं, बल्कि उस जननेता के रूप में याद कर रहा है, जिसने राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया और करोड़ों भारतीयों के दिलों में हमेशा के लिए अपनी जगह बना ली।

भक्ति में झूम रहा पश्चिमी यूपी

सीएम योगी ने की कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा, शिवभक्तों ने लगाए बोल बम के नारे

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ में शनिवार को कांवड़ियों पर फूलों की बारिश हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दुल्हैडा चुंगी पहुंचे और हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहे शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। भगवा रंग में रंगे कांवड़ मार्ग पर फूलों की बारिश और शिवभक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट मेरठ में रहे। कांवड़ मार्ग पर बड़ी संख्या में शिवभक्त मौजूद रहे। भगवा रंग में रंगे मार्ग पर फूलों की बारिश और कांवड़ियों का उत्साह देखते ही बना। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट कार्यक्रम स्थल पर रहे।

पुष्पवर्षा के बाद हिंडन एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए सीएम

कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा के बाद मुख्यमंत्री कार से वापस शोभित विश्वविद्यालय के हेलीपैड के लिए रवाना हुए। यहां से उनका हेलिकॉप्टर गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट के लिए रवाना हुआ। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं पर भी प्रशासन की नजर रही। कांवड़ियों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए मार्गों पर निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए शोभित विश्वविद्यालय के हेलीपैड से दुल्हैडा चुंगी तक सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई थी। मार्ग में जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहा। कांवड़ मार्ग पर यातायात व्यवस्था, पुलिस तैनाती और सुरक्षा इंतजामों को चौकस रखा गया। कार्यक्रम स्थल के आसपास भी सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय रहीं और लगातार निगरानी की गई। मुख्यमंत्री की मौजूदगी को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही न हो, इसका विशेष ध्यान रखा।

मंच के सामने उड़ता रहा ड्रोन, सुरक्षा को लेकर मचा हड़कंप

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिसकर्मियों में उस समय हड़कंप मच गया, जब मंच के सामने आसमान में एक ड्रोन काफी देर तक उड़ता रहा। कार्यक्रम स्थल पर ड्रोन उड़ाने की अनुमति नहीं थी। ऐसे में ड्रोन दिखाई देने के बाद पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने उसके संचालक की तलाश शुरू कर दी। सुरक्षा कर्मियों ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की और ड्रोन संचालक की पहचान करने का प्रयास किया। इसी दौरान कार्यक्रम स्थल पर लगे माइक से घोषणा कराई गई कि जिस व्यक्ति ने ड्रोन उड़ाया है, वह तत्काल उसे नीचे उतार ले। घोषणा के कुछ देर बाद ड्रोन को नीचे उतार लिया गया।

'बम भोले' की गूंज, डाक कांवड़-पैदल जत्थों में गुजर रहे शिवभक्त

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। कांवड़ यात्रा 2026 ने सावन में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सड़कों को आस्था के रंग में रंग दिया है। दिल्ली-हरिद्वार हाईवे से लेकर मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और बागपत तक हर तरफ हर-हर महादेव के जयकारे सुनाई दे रहे हैं। कंधे पर गंगाजल लिए शिवभक्त अपने-अपने गंतव्य और शिवालयों की ओर बढ़ रहे हैं। दिन हो या रात, हाईवे पर कांवड़ियों का सैलाब लगातार नजर आ रहा है। पैदल जत्थों के साथ डाक कांवड़िए भी पूरे उत्साह के साथ दौड़ते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

कांवड़ियों की टोलियां रास्ते में शिव भजनों पर थिरकती नजर आ रही हैं। कई जत्थों के साथ डीजे, ढोल और भजन मंडलियां चल रही हैं। भक्ति गीतों की धुन पर झूमते शिवभक्त रास्ते की थकान भूलकर आगे बढ़ रहे हैं। शाम होते ही कांवड़ मार्गों पर नजारा और भी भव्य हो जाता है। रोशनी से सजी कांवड़ें, डीजे की धुन और भगवा रंग में रंगे शिवभक्त पूरे माहौल को मेले जैसा बना देते हैं।

डाक कांवड़ की रफ्तार, पैदल जत्थों का उत्साह

हाईवे पर डाक कांवड़िए तेजी से अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं सामान्य कांवड़ लेकर चल रहे शिवभक्त भजनों पर झूमते हुए अपनी यात्रा पूरी कर रहे हैं। कांवड़ियों की ऊर्जा और उत्साह राह से गुजरने वाले लोगों को भी आकर्षित कर रहा है। शहरवासी भी बड़ी संख्या में कांवड़ मार्गों पर पहुंचकर इस नजारे को देख रहे हैं और कई स्थानों पर शिवभक्तों की सेवा कर रहे हैं।

सेवा शिविरों में भंडारे, जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत

कांवड़ मार्गों पर जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए हैं। इनमें शिवभक्तों के लिए भोजन, पानी, शरबत और विश्राम की व्यवस्था की गई है। बड़ी संख्या में युवा और स्वयंसेवक दिन-रात कांवड़ियों की सेवा में जुटे हैं।

कई स्थानों पर कांवड़ियों का फूल बरसाकर स्वागत किया जा रहा है। मुजफ्फरनगर में सीओ ऋषिका सिंह भी महिला कांवड़ियों की सेवा करती नजर आईं। उनका महिला कांवड़ियों के पैर दबाने का वीडियो और तस्वीरें चर्चा में रहीं।

11 अगस्त को महाशिवरात्रि, हाईवे पर मेले जैसा माहौल

कांवड़ यात्रा के दौरान शाम और रात के समय हाईवे और कांवड़ मार्गों पर मेले जैसा माहौल दिखाई दे रहा है। कांवड़ियों के साथ शहरवासी भी इन मार्गों पर पहुंच रहे हैं। कोई भक्ति का यह नजारा देखने पहुंच रहा है तो कोई सेवा शिविरों में पहुंचकर शिवभक्तों की सेवा कर रहा है। 11 अगस्त को महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवालयों में कांवड़ियों द्वारा गंगाजल चढ़ाया जाएगा। इसे देखते हुए कांवड़ मार्गों पर श्रद्धालुओं की

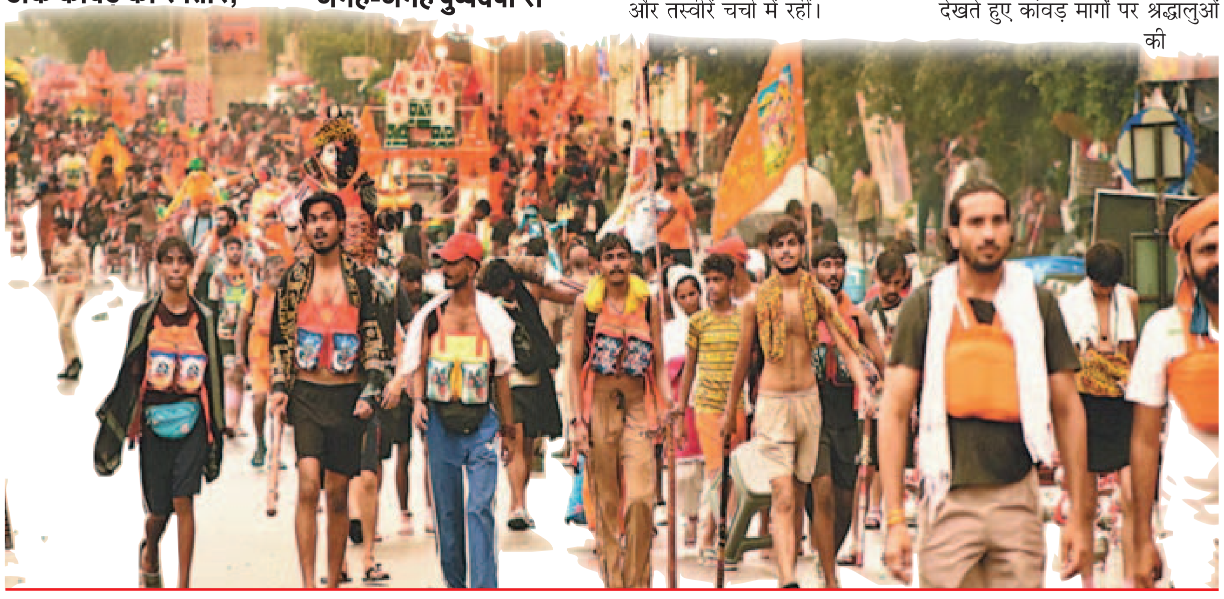

दबंगों ने फिर ढहाई दीवार, विरोध पर जानमाल की धमकी का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। भाजपा शासन में जहां सरकार लगातार अपराध और दबंगई पर अंकुश लगाने तथा पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने का दावा कर रही है, वहीं बल्दीराय तहसील क्षेत्र में एक पीड़िता ने दबंगों पर बार-बार दीवार गिराने और विरोध करने पर जानमाल की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। मामला थाना धनपतगंज क्षेत्र के पूरे हेमसिंह मजरे रामनगर का है। पीड़िता सुमन देवी पत्नी अजय कुमार ने 7 अगस्त को उपजिलाधिकारी बल्दीराय को दिए प्रार्थनापत्र में आरोप लगाया कि पूर्व में सचिन व सोनम पुत्रध्पुत्री चंद्र प्रकाश तथा विद्यावती पत्नी चंद्र प्रकाश ने उनकी करीब 22 फीट लंबी और सात फीट ऊंची दीवार जबरन गिरा दी थी। दीवार का निर्माण कराए जाने में भी

कथित रूप से बाधा उत्पन्न की गई थी। शिकायत के बाद तत्कालीन उपजिलाधिकारी, तहसीलदार और नायब तहसीलदार के हस्तक्षेप तथा पुलिस बल की मौजूदगी में दीवार का निर्माण कराया गया था।

पीड़िता का आरोप है कि अब विपक्षीगण ने बरसात का पानी रोककर तथा फावड़े से नींव क्षतिग्रस्त कर दीवार को दोबारा गिरा दिया। विरोध करने पर मां-बहन की भद्दी गालियां देने, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और मारपीट पर आमादा होने का आरोप लगाया गया है। पीड़िता ने कहा कि इससे परिवार में भय का माहौल है और जानमाल का खतरा बना हुआ है। सुमन देवी ने एसडीएम से मामले का संज्ञान लेकर पुलिस बल की अभिरक्षा में दीवार का निर्माण कराने तथा आरोपों की जांच कर दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। अब देखना है कि शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के अनुरूप प्रशासन इस शिकायत पर कितनी तेजी से कार्रवाई करता है।

जयसिंहपुर क्षेत्र में शोक संतप्त परिवारों के बीच पहुंचे सपा नेता, जताई संवेदना

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। सदर जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र में सपा के पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विपिन प्रकाश सिंह दीपक सिंह ने विभिन्न गांवों में पहुंचकर हाल ही में अपनों को खो चुके परिवारों से मुलाकात की और गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जीवन की अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन दुख की इस घड़ी में समाज का साथ और संवेदना पीड़ित परिवारों को संबल प्रदान करती है। दीपक सिंह ने खटवर गांव में सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए चंद्रभूषण वर्मा, बहादुद्दीनपुर में सड़क हादसे के शिकार सोमेश सिंह तथा बगिया गांव में उपचार के दौरान दिवंगत हुए मनोराम यादव के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। इसके अलावा उन्होंने अठैसी गांव में विकास वर्मा की पत्नी के निधन, रामकेवल तिवारी की पुत्रवधू के असामयिक निधन तथा अपने सहपाठी रामसेवक के पुत्र विक्रम कुमार के उपचार के दौरान हुए निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। वहीं बीड़ी गांव पहुंचकर सड़क दुर्घटना में रितेश सिंह के निधन पर उनके परिजनों को सांत्वना दी। शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात के दौरान दीपक सिंह ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में वे और पूरा समाज पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है। इस मौके पर सर्वेश सिंह, कन्हैया राम, राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

आगरा में भरभराकर गिरी 120 साल पुरानी इमारत... बड़ा हादसा टला

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। ताजनगरी आगरा में पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार झमाझम बारिश अब पुराने और जर्जर भवनों पर भारी पड़ने लगी है। शुक्रवार को थाना छत्ता क्षेत्र के व्यस्त बेलनगंज बाजार इलाके में करीब 120 साल पुरानी एक दो मंजिला इमारत अचानक ताश के पत्तों की तरह भरभराकर गिर गई। इमारत ढहने से क्षेत्र में दहशत फैल गई, लेकिन गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा बाल-बाल टल गया।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, बेलनगंज स्थित यह जर्जर मकान संदीप जैन का है, जो लंबे समय से पूरी तरह खाली पड़ा हुआ था। लगातार हो रही बारिश के कारण मकान की दीवारें और नींव कमजोर हो चुकी थीं। अचानक मकान का अगला हिस्सा सड़क की तरफ गिर पड़ा।

घटना के वक्त वहां से कोई राहगीर नहीं गुजर रहा था, जिससे बड़ा नुकसान होने से बच गया। हालांकि, मकान के बाहर खड़ी एक स्कूटी मलबे के नीचे दबकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इमारत गिरने का खौफनाक दृश्य पास में लगे कैमरे और लोगों के मोबाइल में कैद हो गया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रशासन मौके पर, ट्रैफिक किया गया डायवर्ट

इमारत गिरने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और नगर निगम की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने व्यस्त बेलनगंज बाजार वाले रास्ते पर यातायात (ट्रैफिक) को डायवर्ट कर दिया है। नगर निगम की टीम जेसीबी की मदद से सड़क पर फैले मलबे को हटाने के काम में जुटी हुई है ताकि आवागमन दोबारा सामान्य हो सके। प्रशासन ने आसपास के अन्य जर्जर मकानों को लेकर भी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

संक्षेप

खाद की दुकानों पर छापेमारी, पांच को नोटिस

जौनपुर । किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने और नकली उर्वरकों की बिक्री रोकने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया। जिला कृषि अधिकारी के नेतृत्व में उर्वरक प्रतिष्ठानों पर आकस्मिक छापेमारी की गई। कुल 42 उर्वरक दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षकों ने उर्वरकों की गुणवत्ता, स्टॉक रजिस्टर, विक्रय अभिलेख, लाइसेंस और मूल्य सूची जैसे दस्तावेजों की गहन जांच की। गुणवत्ता परीक्षण के लिए विभिन्न प्रतिष्ठानों से 8 उर्वरक नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए हैं। निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर 5 उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसके अतिरिक्त, गंभीर अनियमितताओं के कारण 2 दुकानों के लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई भी की गई है। जिलाधिकारी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को उर्वरक प्रतिष्ठानों का नियमित और आकस्मिक निरीक्षण जारी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा है कि किसानों को निर्धारित दरों पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध हों। जिला प्रशासन ने किसानों से भी अपील की है कि वे अधिकृत विक्रेता से ही उर्वरक खरीदें, पक्का बिल लें और किसी भी अनियमितता की सूचना तत्काल कृषि विभाग या जिला प्रशासन को दें।

सीएचसी ने मरीजों से सुविधाओं को परखा

जौनपुर । शाहगंज स्थित सीएचसी का सीएमओ गंगा राम गौतम ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मरीजों से सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।निरीक्षण के समय चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रफीक फारूकी सहित सभी डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी अपनी ड्यूटी पर मौजूद पाए गए। सीएमओ ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, ओपीडी और दवा वितरण कक्ष सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।सीएमओ अस्पताल में भर्ती मरीजों से सीधे बातचीत की। उन्होंने मरीजों से मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं, उपचार की गुणवत्ता, दवाओं की उपलब्धता और चिकित्सकीय सेवाओं के संबंध में फीडबैक लिया। निरीक्षण के बाद सीएमओ ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को समय पर बेहतर उपचार, आवश्यक दवाएं और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। सीएमओ ने जोर देकर कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पुलिस ग्रीवांस रिड्रेसल यूनिट को किया सक्रिय

जौनपुर । जनपद के पुलिसकर्मियों की सेवा संबंधी और व्यक्तिगत समस्याओं को अब लंबे समय तक अटका कर नहीं रखा जाएगा। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के कड़े रुख के बाद 'पुलिस ग्रीवांस रिड्रेसल यूनिट' को पूरी तरह सक्रिय कर दिया गया है। इसी क्रम में सरपतहां थाना परिसर में प्रभारी द्वारा पुलिसकर्मियों के साथ एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान थाना प्रभारी ने उपस्थित जवानों व अधिकारियों की एक-एक कर व्यक्तिगत एवं विभागीय समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने मातहतों को भरोसा दिलाया कि उनकी वाजिब मांगों और शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

सर्पदंष से महिला सहित दो की मौत

जौनपुर । जिले में सर्पदंश की दो अलग .अलग घटनाओं में महिला और युवक की मौत हो गई। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के बसढ़ुवा गांव में शुक्रवार रात बिस्तर पर सो रहे 32 वर्षीय कल्पनाथ बिंद को सर्प ने डस लिया। कुछ देर बाद नींद खुलने पर उन्हें शरीर में सर्प के काटने का एहसास हुआ। उन्होंने इसकी जानकारी परिजनों को दी। उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बरसठी थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी पंकज गौतम की पत्नी रीना गौतम बच्ची को दूध पिला रही थीं। इसी दौरान सर्प ने उनके पैर में डस लिया।

बेटी का मायका ही बन गया मौत की वजह... या सच कुछ और, दामाद ने सास का कत्ल कर भूसे में जलाई लाश

> जल्द ही डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। इसके बाद ही इस मामले की पूरी हकीकत सामने आ सकेगी। जांच में तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।
>
> **सुकीर्ति माधव, एसपी**

आर्यावर्त संवाददाता

पीलीभीत। यूपी के पीलीभीत के अमरिया के जिठनिया में 65 वर्षीय महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि दामाद महेंद्रपाल ने मोहनदेई की हत्या कर शव को भूसे के ढेर में जला दिया। पुलिस ने हरहरपुरा धुरा निवासी आरोपी महेंद्रपाल को हिरासत में ले लिया है। मोहनदेई के बेटे सुरेश की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ हत्या और साक्ष्य मिटाने का केस दर्ज किया गया है।

पुलिस को दी गई तहरीर में सुरेश ने बताया कि उसकी मां मोहनदेई गांव के बाहर कब्रिस्तान के पास अकेली रहती थीं। परिवार के अन्य सदस्य गांव में अलग रहते हैं। सुरेश का आरोप है कि 31 जुलाई की रात आठ बजे महेंद्रपाल मां के घर पहुंचा और वहीं उसने उनकी हत्या कर दी। शव को जलाने के बाद आरोपी वहां से भाग गया। मोहनदेई की तलाश की गई लेकिन कहीं कोई जानकारी नहीं मिली। वारदात के छह दिन बाद बृहस्पतिवार शाम परिजन घर के बाहर जले हुए भूसे के ढेर की राख हटा रहे थे। इसी दौरान वहां से जली हुई हड्डियां और कांच की चूड़ियां मिलीं। इसके बाद हत्या की आशंका गहराने पर पुलिस को सूचना दी गई।

पत्नी से करता था मारपीट मायके जाने से था नाराज

आरोप है कि महेंद्रपाल शराब के नशे में पत्नी मीना से मारपीट करता था। मोहनदेई इसी वजह से मीना को अपने पास रहने के लिए बुला लेती थीं। इसी बात को लेकर महेंद्रपाल रंजिश रखता था।

बेटी का मायका ही बन गया मौत की वजह

मोहनदेई की मौत की घटना के बाद भले ही बेटे की तहरीर में दामाद और सास के बीच बेटी को मायके रखने को लेकर चले आ रहे विवाद को घटना का कारण बताया गया है, लेकिन सवाल खड़ा हो रहा है कि सिर्फ बेटी के बार-बार मायके आना मौत की वजह बना, या सच कुछ और है। यही वजह है कि सच सामने लाने के लिए पुलिस परिवार के पुराने विवाद, आर्थिक लेन-देन और जमीन को भी आधार बनाकर जांच को आगे बढ़ा रही है। अमरिया थाना क्षेत्र के जिठनिया गांव में बृहस्पतिवार रात घटना की परतें खुलीं। परिजन के मुताबिक, मोहनदेई अपनी बेटी को अक्सर अपने पास बुला लेती थीं। दामाद महेंद्रपाल इस बात से नाराज रहता था। कई बार कहासुनी भी हुई। यही आरोप मुकदमे की बुनियाद बना है, लेकिन पुलिस इसे घटना का अंतिम निष्कर्ष नहीं मान रही है।

अब पुलिस परिवार की स्थिति, रिश्तों में तनाव की हकीकत जानने में जुटी है। जांच में सामने आया है कि दो वर्ष पहले परिवार में एक बेटे की मौत के बाद मिले मुआवजे के बंटवारे को लेकर भी विवाद हुआ था। परिजन कहते हैं कि मामला खत्म हो गया था, लेकिन पुलिस तह तक जाने में जुटी है। इतना ही नहीं, मोहनदेई के नाम दर्ज करीब ढाई बीघा जमीन भी जांच के दायरे में है। ग्रामीण परिवेश में जमीन केवल संपत्ति नहीं, बल्कि अक्सर विवादों की वजह भी बनती है। सीओ सदर नताशा गोयल ने बताया कि घटना की जांच में कई की बिंदु आ रहे हैं। आरोपियों व मृतका के परिजनों से पूछताछ के बाद पूरी स्थिति साफ हो सकेगी।

गुमशुदगी की सूचना न देना भी सवालों में

मोहनदेई अकेली रहती थीं, लेकिन गांव और परिवार के लोग उनसे लगातार संपर्क में रहते थे। 31 जुलाई के बाद वह दिखाई नहीं दीं, फिर भी उनकी गुमशुदगी की सूचना पुलिस को तत्काल क्यों नहीं दी गई? क्या परिजनों को उम्मीद थी कि वह रिश्तेदारी में गई होंगी या फिर किसी और वजह से मामला टलता रहा, यह सवाल बरकरार है।

मोबाइल स्क्रीन के संपर्क में आ सकती है त्वचा

आजकल मोबाइल हर किसी की जरूरत बन गया है। हम इसका इस्तेमाल रोजाना घंटों तक करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि मोबाइल स्क्रीन का आपके चेहरे पर क्या असर पड़ता है? आइए आज हम आपको कुछ ऐसे कारणों के बारे में बताते हैं, जिनके कारण मोबाइल स्क्रीन का इस्तेमाल त्वचा पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इसके बाद आप अपनी त्वचा की देखभाल के लिए सही कदम उठा सकें।

मोबाइल स्क्रीन की गर्मी

जब आप फोन का इस्तेमाल करते हैं तो आपका चेहरा उसके करीब होता है। मोबाइल स्क्रीन गर्म हो जाती है, खासकर जब आप लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करते हैं।

यह गर्माहट आपके चेहरे की त्वचा को प्रभावित कर सकती है, जिससे जलन, लालिमा या दाने हो सकते हैं। इसलिए जब भी आप अपने फोन का इस्तेमाल करें तो उसे थोड़ी दूरी पर रखें या हेडसेट का उपयोग करें।

कीबोर्ड के निशान

मोबाइल कीबोर्ड पर टाइप करते समय उंगलियों के निशान रह जाते हैं।

जब आप अपने चेहरे को छूते हैं तो ये निशान भी आपके चेहरे पर आ सकते हैं। इससे मुंहासे और त्वचा पर खुजली जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए अपने फोन को साफ रखें और नियमित रूप से उसकी सफाई करें।

बैक्टीरिया का खतरा

हमारा फोन रोजाना कई जगहों पर जाता है और हर जगह बैक्टीरिया होते हैं।

जब आप अपने फोन को अपने चेहरे से लगाते हैं तो ये बैक्टीरिया आपकी त्वचा पर आ जाते हैं, जिससे संक्रमण या दाने हो सकते हैं।

इससे बचाव के लिए अपने फोन को नियमित रूप से साफ करें और कभी भी किसी दूसरे व्यक्ति का फोन इस्तेमाल न करें।

इसके अलावा अपने फोन को अपने बैग या जेब में रखने से बचें।

स्क्रीन सुरक्षा कवर

अगर आप अपने फोन को बिना किसी कवर के रखते हैं तो यह भी एक बड़ी गलती हो सकती है क्योंकि फोन कवर भी बैक्टीरिया से भरा होता है। इसलिए इसे बार-बार साफ करना जरूरी है।

इसके अलावा एक अच्छा स्क्रीन सुरक्षा कवर भी इस्तेमाल करें जो बैक्टीरिया को रोक सके।

इन सभी तरीकों का पालन करके आप अपने चेहरे को मोबाइल स्क्रीन से होने वाले नुकसान से बचा सकते हैं।

इसके अलावा कीबोर्ड को भी साफ करते रहें ताकि बैक्टीरिया न बढ़ें और आपकी त्वचा स्वस्थ रहे।

नीली रोशनी का असर

मोबाइल स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी भी आपकी त्वचा पर असर डाल सकती है। यह रोशनी आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है और समय के साथ उम्र बढ़ने के लक्षणों को बढ़ा सकती है। इससे बचाव के लिए आप अपने फोन पर नीली रोशनी फिल्टर का इस्तेमाल कर सकते हैं या रात को सोने से पहले इसे बंद कर सकते हैं।

इसके अलावा आप नीली रोशनी से बचाने वाले त्वचा देखभाल उत्पादों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्टेंट डलने के बाद क्या दोबारा नहीं पड़ सकता हार्ट अटैक? क्या कहते हैं डॉक्टर

दिल के दौरे की वजह से स्टेंट डाले जाना एक मेडिकल ट्रीटमेंट है। लोगों में ये मिथ फैली हुई है कि क्या स्टेंट डलवाने के बाद दोबारा हार्ट अटैक नहीं पड़ सकता? चलिए आपको एक्सपर्ट के जरिए बताते हैं...

दिल की धमनियों (कोरोनरी आर्टरीज) में गंभीर ब्लॉकेज होने पर ब्लड फ्लो को नॉर्मल करने के लिए स्टेंट लगाया जाता है। कई लोग यह मान लेते हैं कि एक बार स्टेंट लगने के बाद फ्यूचर में हार्ट अटैक का खतरा पूरी तरह खत्म हो जाता है। लेकिन एक्सपर्ट्स के मुताबिक ऐसा सोचना सही नहीं है। स्टेंट ब्लॉकेज वाली धमनी को खोलने में मदद करता है, लेकिन हृदय रोग की मूल समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होती।

डॉक्टरों का कहना है कि यदि मरीज दवाएं समय पर नहीं लेता, धूम्रपान जारी रखता है, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित नहीं रखता या नियमित व्यायाम और संतुलित आहार नहीं अपनाता, तो दूसरी धमनियों में भी ब्लॉकेज विकसित हो सकती है। ऐसी स्थिति में दोबारा हार्ट अटैक आने का खतरा बना रहता है।

डॉक्टर सुक्रीति भल्ला, एसोसिएट डायरेक्टर एंड यूनिट हेड, कार्डियोलॉजी, आकाश हेल्थ केयर का कहना है कि कुछ मामलों में स्टेंट के अंदर भी री-स्टेनोसिस या रक्त का थक्का (स्टेंट थ्रॉम्बोसिस) बन सकता है। हालांकि आधुनिक ड्रग-एल्यूटिंग स्टेंट और सही दवा लेने से यह जोखिम काफी कम हो जाता है।

एक्सपर्ट कहती हैं कि स्टेंट हार्ट अटैक का स्थायी इलाज नहीं है बल्कि यह बंद या संकरी हुई धमनी में रक्त प्रवाह को बहाल करने का एक प्रभावी तरीका है। यदि मरीज दवाएं नियमित रूप से लेता है, ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखता है तो दोबारा हार्ट अटैक का जोखिम काफी कम किया जा सकता है। लेकिन यह कहना गलत होगा कि स्टेंट लगने के बाद हार्ट अटैक कभी नहीं होगा।

इन बातों का रखें खास ध्यान

एक्सपर्ट के मुताबिक स्टेंट के बाद मरीज को पूरी लाइफ हार्ट को हेल्दी रखने वाली आदतें अपनानी चाहिए। रेगुलर फॉलो-अप, डॉक्टर की सलाह के अनुसार ब्लड थिनर और अन्य दवाओं का सेवन, धूम्रपान से दूरी, वजन नियंत्रित रखना और रोजाना शारीरिक गतिविधि करना बेहद जरूरी है। यदि स्टेंट लगने के बाद भी सीने में दर्द, सांस फूलना, अत्यधिक पसीना आना या जबड़े, कंधे अथवा बाएं हाथ में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दें तो इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और तुरंत अस्पताल पहुंचना चाहिए।

सावधानी के लिए 5 जरूरी बातें

डॉक्टर की सलाह के बिना ब्लड थिनर या अन्य दवाएं बंद न करें।

धूम्रपान और तंबाकू से पूरी तरह दूरी बनाएं।

रोज कम से कम 3045 मिनट टहलें या व्यायाम करें।

ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की नियमित जांच कराते रहें।

सीने में दर्द या सांस लेने में तकलीफ होने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लें।

स्टेंट दिल की ब्लॉकेज का प्रभावी उपचार है, लेकिन यह भविष्य में हार्ट अटैक के जोखिम को पूरी तरह समाप्त नहीं करता। सही दवा, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर दोबारा हार्ट अटैक की संभावना को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

एक्सरसाइज शुरू करने की सोच रहे हैं? हुला हूप को आजमाएं

अगर आप एक्सरसाइज करने की शुरुआत करने जा रहे हैं तो यह आपके लिए एक अच्छा फैसला हो सकता है। हालांकि, इस दौरान आपको यह समझ नहीं आता कि कौन सी एक्सरसाइज को चुना जाए तो हुला हूपिंग को आजमाएं। यह एक मजेदार और असरदार तरीका है, जिससे आप न केवल फिट रह सकते हैं, बल्कि इससे आपका मूड भी अच्छा रहेगा। आइए जानते हैं कि हुला हूपिंग क्यों एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

वजन कम करने में है मददगार

हुला हूपिंग एक ऐसी गतिविधि है, जो वजन कम करने में काफी मदद कर सकती है। इसे रोजाना करने से आपके शरीर की कैलोरी बर्न करने की क्षमता बढ़ सकती है।

इसके अलावा यह आपके शरीर की ऊर्जा को तेज करता है, जिससे वजन घटाने में आसानी होती है।

हुला हूपिंग करने से पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर की चर्बी कम होती है। इससे आप फिट और आकर्षक दिख सकते हैं।

दिल की सेहत के लिए है फायदेमंद

हुला हूपिंग एक बेहतरीन दिल की सेहत को सुधारने वाली गतिविधि भी है। यह आपके दिल की धड़कन को तेज करती है और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाती है।

इससे आपका दिल स्वस्थ रहता है और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे आप अधिक ऊर्जा महसूस करते हैं।

नियमित रूप से हुला हूपिंग करने से आपके दिल की धड़कनें बेहतर होती हैं और आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं, जिससे आपकी सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

मानसिक तनाव को कम करने में है सहायक

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक तनाव आम बात हो गया है। हुला हूपिंग करने से आपका मन शांत होता है और तनाव कम होता है।

जब आप हुला हूपिंग करते हैं तो आपका ध्यान केवल उस पर केंद्रित होता है, जिससे आपकी चिंता और परेशानी दूर होती है।

यह एक प्रकार का ध्यान अभ्यास भी हो सकता है, जो आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

लचीलेपन को बढ़ाने में है कारगर

हुला हूपिंग करने से शरीर की लचीलापन बढ़ती है।

इसके नियमित अभ्यास से आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर की गति क्षमता सुधरती है। इससे न केवल आपकी शारीरिक ताकत बढ़ती है बल्कि आप चोटों से भी बच सकते हैं।

इसके अलावा हुला हूपिंग करने से आपकी त्वचा पर भी निखार आता है। यह एक मजेदार तरीका है जिससे आप फिट रह सकते हैं और अपने शरीर को स्वस्थ बना सकते हैं।

परिवार के साथ मिलकर करने का है अच्छा तरीका

हुला हूपिंग केवल एक एक्सरसाइज नहीं बल्कि एक पारिवारिक गतिविधि भी हो सकती है। इसे परिवार के साथ मिलकर करने से आपसी संबंध मजबूत होते हैं और सभी लोग मिलकर आनंद लेते हैं।

बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी इस गतिविधि का आनंद ले सकते हैं और एक-दूसरे के साथ समय बिता सकते हैं।

इस प्रकार हुला हूपिंग कई प्रकार से आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और फिट रहें!

सिरदर्द होने पर चाय या कॉफी पीनी चाहिए या नहीं

अक्सर लोग सिरदर्द होने पर चाय या कॉफी पीना बेहतर मानते हैं। वहीं, कुछ लोगों को लगता है कि इससे सिरदर्द बढ़ सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं सच क्या है।

आज के समय में सिरदर्द एक आम समस्या बन गई है, जिससे कई लोग अक्सर परेशान रहते हैं। इसके पीछे तनाव, नींद पूरी न होना, शरीर में पानी की कमी, लंबे समय तक स्क्रीन देखना और दूसरी कई वजहें हो सकती हैं। सिरदर्द होने पर कई लोग सबसे पहले एक कप चाय या कॉफी पीना पसंद करते हैं। वहीं, कुछ लोगों का मानना है कि चाय या कॉफी पीने से सिरदर्द बढ़ भी सकता है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि इस बारे में सच क्या है।

हर व्यक्ति के शरीर पर चाय और कॉफी का असर एक जैसा नहीं होता। इसलिए सिरदर्द के दौरान इन्हें लेकर सही जानकारी होना जरूरी है, ताकि किसी तरह की गलतफहमी न रहे। आइए जानते हैं सिरदर्द में चाय या कॉफी पीनी चाहिए या नहीं, सिरदर्द में राहत पाने के लिए क्या करें और किन लक्षणों में तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए।

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, चाय और कॉफी में मौजूद कैफीन कुछ लोगों में सिरदर्द या माइग्रेन के दौरान राहत दिलाने में मदद कर सकती है। यही वजह है कि कुछ सिरदर्द की दवाओं में भी कैफीन मिलाया जाता है। हालांकि, इसका असर हर व्यक्ति पर एक जैसा नहीं होता। अगर कोई व्यक्ति रोज ज्यादा मात्रा में कैफीन लेता है, तो इससे सिरदर्द की परेशानी बढ़ सकती है।

वहीं, जो लोग रोज चाय या कॉफी पीते हैं और अचानक इसे पूरी तरह बंद कर देते हैं, उन्हें भी कैफीन छोड़ने की वजह से सिरदर्द हो सकता है। अगर कैफीन लेने के बाद बार-बार सिरदर्द बढ़ने लगे, तो इसकी मात्रा कम करने या डॉक्टर से सलाह लेने पर विचार करना चाहिए। इसलिए सिरदर्द के दौरान चाय या कॉफी पीने का फैसला अपनी आदत और शरीर की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखकर करना बेहतर होता है।

सिरदर्द में राहत पाने के लिए क्या करें?

सिरदर्द होने पर सबसे पहले पर्याप्त पानी पिएं और कुछ देर शांत जगह पर आराम करें। अगर नींद पूरी नहीं हुई है, तो आराम करने की कोशिश करें। लंबे समय तक मोबाइल, लैपटॉप या टीवी की स्क्रीन देखने से बचें। अगर तेज रोशनी या तेज आवाज से परेशानी बढ़ती है, तो उनसे दूरी बनाए रखें।

समय पर खाना खाएं और शरीर को ज्यादा देर तक भूखा न रखें। अगर सिरदर्द बार-बार होता है या बहुत ज्यादा तेज है, तो बिना डॉक्टर की सलाह के बार-बार दर्द की दवा लेने से बचें और सही कारण जानने के लिए डॉक्टर से सलाह लें।

किन लक्षणों में तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए?

अगर अचानक बहुत तेज सिरदर्द शुरू हो, सिरदर्द के साथ तेज बुखार, गर्दन में अकड़न, बार-बार उल्टी, बेहोशी, बोलने में परेशानी, शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी या देखने में दिक्कत हो, तो तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए। इसके अलावा, अगर सिरदर्द बार-बार हो रहा है, हर दिन बढ़ता जा रहा है या दवा लेने के बाद भी ठीक नहीं हो रहा, तो भी जांच कराना जरूरी है। ऐसे लक्षण किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकते हैं, इसलिए इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

मार्क जुकरबर्ग को तगड़ा झटका, मेटा पर ठोका गया 5,390 करोड़ का जुर्माना

सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी मेटा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। भारत में एल्गोरिद्म और कानूनी पचड़ों में फंसी मार्क जुकरबर्ग की कंपनी को अब अमेरिका में एक बहुत बड़ा कानूनी झटका लगा है। न्यू मैक्सिको की एक अदालत ने बच्चों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने के गंभीर आरोप में मेटा पर 567 मिलियन डॉलर (करीब 5,390 करोड़ रुपये) का भारी-भरकम जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा है कि फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसी ऐप्स युवाओं को बुरी लत लगा रही हैं और उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए सीधे तौर पर कंपनी की नीतियां जिम्मेदार हैं। इस फैसले के बाद मेटा को अपने प्लेटफॉर्म के काम करने के तरीके में भी बड़े बदलाव करने होंगे।

युवाओं को लग रही लत, कोर्ट ने माना 'पब्लिक न्यूसेंस'

न्यू मैक्सिको के सांता फे में हुई मामले की सुनवाई के दौरान जज ब्रायन बीडशाइड ने डेमोक्रेट अटॉर्नी जनरल राउल टोरेज के पक्ष में फैसला सुनाया। अदालत ने माना कि मेटा ने अपने प्रोडक्ट्स को इस तरह से डिजाइन किया है कि युवा यूजर्स इसके आदी हो जाते हैं, जिससे समाज में 'पब्लिक न्यूसेंस' (सार्वजनिक परेशानी) की स्थिति पैदा हो गई है। कंपनी पर यह भी आरोप साबित हुआ है कि वह अपने प्लेटफॉर्म पर बच्चों को यौन शोषण जैसी गंभीर घटनाओं से बचाने में पूरी तरह से विफल रही है।

उपभोक्ता संरक्षण कानून का भी हुआ खुला उल्लंघन

यह ऐतिहासिक फैसला मामले की शुरुआत में न्यू मैक्सिको की जूरी द्वारा मेटा को 375 मिलियन डॉलर का भुगतान करने के आदेश के ठीक पांच महीने बाद आया है। जूरी ने अपनी विस्तृत जांच में पाया था कि कंपनी ने युवा यूजर्स के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम की सुरक्षा को लेकर झूठे दावे किए और गलत जानकारी फैलाई। इसे उपभोक्ता संरक्षण कानून का सीधा और खुला उल्लंघन माना गया, जिसके चलते कंपनी पर यह भारी जुर्माना लगाया गया है।

बदलने होंगे तौर-तरीके, 5 साल तक लागू रहेंगे कड़े नियम

अमेरिका के 40 से अधिक राज्यों और 1,300 से ज्यादा स्कूल डिसट्रिक्ट्स ने पहले ही सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ ऐसे 'पब्लिक न्यूसेंस' के मामले दर्ज कर रखे हैं। इस बढ़ते दबाव के बीच, जज बीडशाइड ने मेटा को युवा-सुरक्षा के कड़े उपाय लागू करने का सख्त आदेश दिया है। अब कंपनी को टीनएजर्स द्वारा फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल पर मंथली कंट्रोल लगाने, नोटिफिकेशन सीमित करने और नाबालिगों के साथ वयस्कों के संपर्क पर कड़ी निगरानी रखने जैसे अहम बदलाव करने होंगे। साथ ही, ्रद्ब चैटबॉट्स के लिए सुरक्षा उपाय और यौन शोषण की रिपोर्टिंग प्रणाली को भी बेहतर करना होगा। अदालत का यह आदेश अगले पांच सालों तक प्रभावी रहेगा।

मेटा ने दी सफाई, फैसले के खिलाफ करेगी अपील

इतनी बड़ी कार्रवाई के बावजूद मेटा ने अपने बचाव में तर्क दिया है कि वह युवाओं की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रही है। कंपनी के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा कि उन्हें ऑनलाइन टीनएजर्स की सुरक्षा के अपने रिकॉर्ड पर पूरा भरोसा है और वे इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करेंगे। वहीं, अटॉर्नी जनरल टोरेज ने इस फैसले पर खुशी जताते हुए कहा कि मेटा ने हमेशा बच्चों की सुरक्षा से ज्यादा मुनाफे को चुना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह फैसला दुनिया भर के अन्य राज्यों और देशों के लिए सोशल मीडिया कंपनियों पर लगाम कसने का एक 'रोडमैप' साबित होगा। ज्ञात हो कि पिछले साल रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में भी खुलासा हुआ था कि मेटा के एआई चैटबॉट्स बच्चों के साथ अनुचित बातचीत कर सकते हैं, जिसने कंपनी की सुरक्षा नीतियों पर बड़े सवाल खड़े किए थे।

सोशल मीडिया पर सरकार का शिकंजा, आपत्तिजनक कंटेंट अब 3 घंटे के भीतर हटाना होगा अनिवार्य

सरकार का मानना है कि डिजिटल दौर में कोई भी डीपफेक या भ्रामक वीडियो कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे में इसतरह के कटेंट को 3 घंटे की यह समयसीमा में रोकना अब अनिवार्य होगा।

केंद्र सरकार ने डिजिटल स्पेस और सोशल मीडिया को अधिक सुरक्षित व जवाबदेह बनाने की दिशा में एक बेहद कड़ा कदम उठाया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी नए निर्देशों के अनुसार, अब सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को किसी भी आपत्तिजनक, गैर-कानूनी या संवेदनशील सामग्री की सूचना मिलने के महज 3 घंटे के भीतर उसे अपने प्लेटफॉर्म से हटाना अनिवार्य कर दिया गया है। पहले सोशल मीडिया कंपनियों को शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई करने के लिए 24 से 36 घंटे का समय मिलता था। अब इस समयसीमा को घटाकर केवल 3 घंटे कर दिया गया है।

सरकार का तर्क : मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है कटेंट

सरकार का मानना है कि डिजिटल दौर में कोई भी डीपफेक या भ्रामक वीडियो कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। इस त्वरित फैलाव से किसी व्यक्ति के सम्मान, सामाजिक सौहार्द और सार्वजनिक सुरक्षा को अपूर्णीय क्षति पहुंचती है। ऐसे में 3 घंटे की यह समयसीमा आपत्तिजनक कंटेंट के प्रसार को शुरुआत में ही रोकने में बेहद कारगर सिद्ध होगी। सरकार के अनुसार 3 घंटे के भीतर कंटेंट हटाने का नियम मुस्तैदी से लागू होगा। डीपफेक और एआई-जनरेटेड सामग्री पर विशेष सख्ती होगी।

सोशल मीडिया पर अब ऐसी चीजें तुरंत हटानी होंगी

किसी व्यक्ति की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले फर्जी वीडियो और तस्वीरेंबाल यौन शोषण सामग्री (CSAM): बच्चों से जुड़ी किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री।निजता का उल्लंघन करने परः बिना सहमति के साझा की गई व्यक्तिगत व अश्लील सामग्री।सुरक्षा व शांति का खतरा होने परः देश की संप्रभुता और कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली भ्रामक खबरें

नियम का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई होगी

सरकार ने साफ कर दिया है कि तय 3 घंटे की सीमा का पालन न करने वाले प्लेटफॉर्म्स सूचना प्रौद्योगिकी (IT) अधिनियम की धारा 79 के तहत मिलने वाले 'सेफ हार्बर' का क़ानूनी संरक्षण खो देंगे। इसके बाद संबंधित कंपनियों को मध्यस्थ के बजाय सीधे कानूनी व आपराधिक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

'कागजी समझौता सुरक्षा नहीं देगा': पाक-सऊदी-तुर्किये रक्षा समझौते पर ईरान ने कसा तंज, रियाद को क्या चेतावनी दी

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के नए रक्षा समझौते पर सवाल उठाए हैं। ईरान की संसद और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति आयोग के एक सदस्य ने कहा कि समझौता होने के बावजूद इससे सऊदी अरब को लंबे समय की सुरक्षा की गारंटी नहीं मिलेगी। ईरान की संसद और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति आयोग के सदस्य इब्राहिम रजाई ने पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुए नए रक्षा समझौते की आलोचना की। उन्होंने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर हो जाने के बावजूद इससे सऊदी अरब की सुरक्षा लंबे समय तक सुनिश्चित नहीं होगी। इब्राहिम रजाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस रक्षा समझौते पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, सऊदी लोगों को यह समझना चाहिए कि तुर्किये और पाकिस्तान के साथ कागज पर किया गया समझौता उन्हें सुरक्षा नहीं देगा। जिस तरह कई वर्षों तक अमेरिका का एकतरफा साथ देने से भी उन्हें सुरक्षा नहीं मिली।

उन्होंने दावा किया कि अगर सऊदी अरब अपनी नीतियों में बदलाव करता है, तो उसे सुरक्षा के लिए दूसरे देशों से 'गिड़गिड़ाकर मांगने' की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे पहले दिन में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौते' नाम से एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसका मकसद तीनों देशों के बीच सुरक्षा संबंधों को मजबूत करना है।

यह समझौता ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच जंग चल रही है। इस युद्ध का असर उन खाड़ी देशों पर भी पड़ा है, जो इसमें शामिल नहीं होना चाहते थे। इसके कारण होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर से होने वाली जहाजों की आवाजाही भी प्रभावित हुई है। यह समझौता मक्का में हुआ। मक्का इस्लाम का सबसे पवित्र शहर है और यहीं पैगंबर मोहम्मद का जन्म हुआ था।

पाकिस्तान-सऊदी-तुर्किये रक्षा समझौते में क्या है?

समझौते के अनुसार, तीनों में से किसी एक देश पर हमला बाकी दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, इस समझौते का उद्देश्य किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई के खिलाफ तीनों देशों की सामूहिक सुरक्षा को मजबूत करना है। इसमें कहा गया है कि तीनों में से किसी एक देश पर होने वाला कोई भी सशस्त्र हमला सभी पर हमला माना जाएगा। समझौते में तीनों देशों के बीच रक्षा सहयोग के सभी क्षेत्रों को मजबूत करने की भी बात कही गई है।

किन बातों पर आधारित है यह समझौता?

बयान में आगे कहा गया कि यह समझौता 'तीनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे ऐतिहासिक संबंधों, भाईचारे और इस्लामी एकजुटता के मजबूत संबंधों' पर आधारित है। साथ ही, यह तीनों देशों के साझा रणनीतिक हितों और लंबे समय से चले आ रहे रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी आधारित है।

बैठक में कौन-कौन शामिल हुआ?

यह समझौता सऊदी अरब में हुई एक बैठक के दौरान किया गया। बैठक में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ शामिल हुए।

सऊदी अरब ने रक्षा साझेदारी क्यों बढ़ाई?

ईरान से जुड़ी जंग के दौरान सऊदी अरब पर कई हमले हो चुके हैं। इसके बाद सऊदी अरब अपने रक्षा साझेदार देशों की संख्या बढ़ाने और अलग-अलग देशों के साथ रक्षा संबंध मजबूत करने की कोशिश कर रहा था। ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों जैसे हूती और इराकी मिलिशिया ने सऊदी अरब के अहम बुनियादी ढांचे और तेल प्रतिष्ठानों पर कई बार ड्रोन और मिसाइल हमले किए थे।

यूएन ने पाकिस्तान को लगाई लताड़, किससे की जवाबदेही तय करने की मांग?

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में बिगड़ते सुरक्षा हालात पर संयुक्त राष्ट्र (UN) ने चिंता जताई है। UN महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के डिप्टी प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ अगर कार्रवाई में उन्हें नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महासचिव UN मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क के काम का समर्थन करते हैं और उम्मीद है कि उनकी अपीलों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा।

फरहान हक ने शुक्रवार को एक सवाल के जवाब में कहा,'महासचिव अपने हाई कमिश्नर के काम का समर्थन करते हैं और हमें पूरी उम्मीद है कि मिस्टर तुर्क की बातों पर ध्यान दिया जाएगा।' वह PoK में मौजूदा सुरक्षा हालात और हाल की घटनाओं को लेकर महासचिव के रुख के बारे में पूछे गए PTI के सवाल का जवाब दे रहे थे।

पीओके में हुई हालिया हिंसा पर UN ने क्या कहा?

पिछले महीने UN के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने पीओके में हुई हालिया घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई थी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की मौत, पाकिस्तान की ओर से 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' (JAAC) पर प्रतिबंध लगाए जाने और उसके नेताओं की गिरफ्तारी की निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग की थी।

क्या इंटरनेट पर लगी पाबंदियां भी चिंता का कारण हैं?

UN की ओर से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा के अधिकार पर असर डालने वाली पाबंदियों को लेकर भी चिंता जताई गई थी। इनमें इंटरनेट एक्सेस पर प्रतिबंध और सार्वजनिक रूप से लोगों के एकत्र होने पर लगाई गई पाबंदियां शामिल हैं।

अधिकारियों से जवाबदेही क्यों मांगी जा रही है?

जब हक से पूछा गया कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के लिए अधिकारियों से जवाबदेही तय करने की मांग की जाएगी, तो उन्होंने कहा, 'यह जरूरी है कि हर जगह अधिकारी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की अनुमति दें और निश्चित रूप से यहां भी ऐसा ही होना चाहिए। अगर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने वाले लोगों को नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए।'

PoK में अशांति को लेकर UN ने क्या अपील की थी?

पिछले महीने जिनेवा में जारी एक बयान में कहा गया था कि वोल्कर तुर्क ने महीने के आखिर में होने वाले क्षेत्रीय चुनावों से पहले PoK में बने अशांति के माहौल के बीच शांति बनाए रखने की अपील की थी।

जून से अब तक कितनी मौतें दर्ज की गईं?

बयान में खास तौर पर कहा गया था कि 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मतदान से पहले जून से अब तक दर्जनों लोग मारे गए हैं। इनमें ज्यादातर प्रदर्शनकारी थे, हालांकि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में तैनात सुरक्षाकर्मी भी मारे गए। UN मानवाधिकार उच्चायुक्त ने अशांति के दौरान हुई सभी मौतों की तत्काल, गहन और निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इसमें प्रदर्शनकारियों के साथ-साथ सुरक्षा बलों के सदस्यों की मौतें भी शामिल हैं।

JAAC पर पाकिस्तान ने प्रतिबंध क्यों लगाया?

'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' (JAAC) विरोध प्रदर्शनों के पीछे सक्रिय एक आंदोलन है। इसमें व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, छात्र, वकील, एक्टिविस्ट और समाज के अन्य वर्गों के लोग शामिल हैं। पाकिस्तान ने सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने के आरोप में आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत JAAC पर प्रतिबंध लगा दिया है।

UN ने PoK में इंटरनेट को लेकर क्या मांग की?

UN के बयान में कहा गया, 'हम अधिकारियों से आग्रह करते हैं कि वे पूरे इलाके में इंटरनेट की पूरी सुविधा सुनिश्चित करें।' इसके साथ ही उच्चायुक्त ने स्थानीय लोगों की बुनियादी समस्याओं और उनकी शिकायतों के समाधान के लिए सार्थक और समावेशी राजनीतिक बातचीत शुरू करने का भी आह्वान किया।

राघव चड्ढा ने मोदी से मुलाकात कर जताया आभार, बोले– यादगार सुबह और ज्ञानवर्धक बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजेपी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और इस मुलाकात को विस्तृत और ज्ञानवर्धक बातचीत बताया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी सुबह थी जिसे वे हमेशा याद रखेंगे। बैठक के बाद X पर एक पोस्ट शेयर करते हुए, चड्ढा ने प्रधानमंत्री का समय देने और उनसे ₹समझ और मार्गदर्शन₹ पाने का मौका मिलने के लिए आभार जताया। चड्ढा ने लिखा कि एक ऐसी सुबह जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मिलने का सौभाग्य मिला। एक विस्तृत और ज्ञानवर्धक बातचीत हुई। उनके कीमती समय और उनसे समझ और मार्गदर्शन पाने का मौका मिलने के लिए मैं बहुत आभारी हूं।

अप्रैल में आम आदमी पार्टी (AAP) छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (BJP) में शामिल हुए चड्ढा ने राज्यसभा में एक नई भूमिका संभाली है। उन्हें 'समिति ऑन पिटिशन्स' (याचिका समिति) के पुनर्गठन के बाद इसका चेयरमैन नियुक्त किया गया; यह नियुक्ति 20 मई से लागू हुई। चड्ढा की अगुवाई में ही इस साल अप्रैल में अशोक मित्तल और संदीप पाठक समेत राज्यसभा के सात सांसद AAP छोड़कर BJP में शामिल हुए थे।

हाल ही में NEET पेपर लीक विवाद पर चुप रहने के कारण चड्ढा की आलोचना भी हुई थी। इस मुद्दे पर पहले सार्वजनिक रूप से न बोलने के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए चड्ढा ने कहा कि विपक्ष से सत्ता पक्ष में आने के बाद उनकी भूमिका बदल गई है। राज्यसभा में बोलते हुए चड्ढा ने कहा कि विपक्ष में रहते हुए सवाल उठाना और मुद्दों को उजागर करना उनकी ज़िम्मेदारी थी, लेकिन अब उनका ध्यान समाधान खोजने पर है।

'सरकार की विदेश नीति की नाकामी'

अमेरिकी बिल को लेकर विपक्ष का सरकार पर हमला; कांग्रेस और AAP ने क्या कहा?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत समेत कई देशों पर 100 फीसदी टैरिफ का प्रावधान करने वाले अमेरिकी विधेयक पर विपक्षी दलों ने शनिवार को प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने इसे नरेंद्र मोदी सरकार की विदेश और आर्थिक नीतिक की नाकामी करार दिया। इसके अलावा, विपक्षी पार्टी के नेता पवन खेड़ा और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी सरकार पर निशाना साधा।

सबसे पहले जानते हैं कि कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने क्या कहा। उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा, मैं इसे मोदी सरकार की विदेश और आर्थिक नीति की नाकामी मानता हूं। हम कई वर्षों से रूस से सस्ते दाम पर ईंधन खरीद रहे हैं। भारत कितना और किससे ईंधन खरीदे, यह फैसला भारत को करना चाहिए, अमेरिका को नहीं। अमेरिका हम पर दबाव नहीं बना सका।

शर्तें थोपता है अमेरिका: पवन खेड़ा

अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंध वाले विधेयक को मंजूरी मिलने पर कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा, क्या आपको लगता है कि भारत सच में स्वतंत्र है? जो भी आता है, भारत को धमकाता है। जो भी आता है, अपनी शर्तें थोपता है। वह कहता है कि आप यहां से तेल खरीद सकते हैं, इतना तेल खरीद सकते हैं और वहां से तेल नहीं खरीद सकते।

खेड़ा ने आगे कहा, जो लोग पूरे देश में खुद को 'विश्वगुरु' बताते घूमते हैं। लेकिन संसद में जाने तक की हिम्मत नहीं रखते। उनसे जवाब मांगिए। उनमें संसद में जाने की हिम्मत इसलिए नहीं है, क्योंकि वहां ये सभी मुद्दे उठाए जाएंगे। उन्हें हर बात के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल ने क्या कहा?

वहीं, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सरकार पर निशाना साधा। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि देश के हर छोटे-बड़े फैसले में ट्रंप का दखल है और प्रधानमंत्री मोदी उनकी हर बात को मानते हैं, चाहे वह सही हो या गलता। ट्रंप हर क्षेत्र में भारत के खिलाफ निर्णय लेते हैं।

सोशल मीडिया पोस्ट और हैशटैग से बदलाव नहीं आएगा, कृतिका कामरा बोलीं- खरीदने से बचेगा हैंडलूम

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस यानी नेशनल हैंडलूम डे 7 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिन कई सेलेब्स और आम यूजर्स हैंडलूम को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया पोस्ट साझा करते हैं, लेकिन अभिनेत्री कृतिका कामरा मानती हैं कि सिर्फ पोस्ट डालकर बुनकरों की जिंदगी नहीं बदली जा सकती।

कृतिका ने अपनी शादी की साड़ी से जुड़ी यादें साझा कीं। साथ ही बताया कि अभिनय के साथ-साथ वह हैंडलूम को बढ़ावा देने के लिए क्या कर रही हैं? शादी के दिन हैंडलूम साड़ी चुनने के पीछे क्या वजह थी? इस सवाल पर कृतिका का जवाब बेहद भावुक था। वह कहती हैं, 'ये मेरे लिए बहुत भावनात्मक फैसला था। मेरी शादी की साड़ी मां ने चंदेरी के कारीगरों के साथ मिलकर बनवाई थी। मैं हमेशा से ही अपनी शादी के दिन एक खास लाल रंग की साड़ी पहनना चाहती थी। उस शेड को ढूंढने में कई हफ्ते लगे। उसमें असली जरी का भी इस्तेमाल हुआ। जब वो साड़ी बनकर आई तो उसमें पहले से ही इतना काम और मां का इतना प्यार था कि मैं उसके अलावा कुछ और पहनने के बारे में सोच भी नहीं सकती थी।'

'प्यार से बनी चीजें अनमोल होती हैं'

वहीं चंदेरी से अपना रिश्ता बयां करते हुए कृतिका बताती हैं कि उनका पैतृक घर चंदेरी से ज्यादा दूर नहीं। वह बचपन से ही वहां आती-जाती रही हैं। कृतिका कहती हैं, 'पहले चंदेरी जाना सिर्फ एक आउटिंग लगता था। लेकिन अब वहां जाकर समझ आता है कि एक हैंडलूम साड़ी बनाने के पीछे कितनी मेहनत और कितना सब्र होता है। आज सब कुछ बहुत जल्दी बन जाता है और जल्दी मिल जाता है। ऐसे समय में जो चीज समय देकर और प्यार से बनाई जाती है, उसका मोल ही अलग है। मेरे लिए तो वह अनमोल ही है। लॉकडाउन के दौरान मुझे लगा कि इस कला को और लोगों तक पहुंचना चाहिए।'

क्या नई पीढ़ी हैंडलूम को अपना रही है? इस सवाल के जवाब में कृतिका कहती हैं, 'बदलाव शुरू हो चुका है। युवाओं का हैंडलूम में रुझान बढ़ा है। सोशल मीडिया की वजह से लोगों को पता चल रहा है कि उनके कपड़े कहां से आते हैं और किसने बनाए हैं। लेकिन अभी भी हैंडलूम को शादी और त्योहारों से निकालकर रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाना होगा। मैं खुद कोशिश करती हूं कि रेड कार्पेट हो या कोई इवेंट, हैंडलूम पहनूं। अगर मुझे देखकर कुछ लोग भी अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में हैंडलूम पहनना शुरू करें तो मेरे लिए वही सबसे बड़ी जीत होगी।'

'सिर्फ पोस्ट करने से बदलाव नहीं आएगा'

आखिर में जब हमने पूछा कि नेशनल हैंडलूम डे पर हर साल इतने अभियान चलते हैं। क्या इनसे सचमुच बदलाव आता है? तो कृतिका बोलीं, 'ये बहुत अच्छा सवाल है। मैंने खुद भी अपने आप से ये पूछा था। सच तो यह है कि सिर्फ एक दिन पोस्ट कर देने या हैशटैग इस्तेमाल करने से बदलाव नहीं आने वाला। अगर हम सच में बुनकरों को मजबूत करना चाहते हैं तो हमें हैंडलूम आइटम खरीदने होंगे। बदलाव तभी आएगा, जब हम इसे खरीदकर बढ़ावा देंगे।'

'बिजनेस अभी भी सीख रही हूं'

अभिनेत्री होने के साथ ही कृतिका अब उद्यमी भी बन चुक हैं। दोनों में ज्यादा चुनौती किसमें है? इस पर कृतिका कहती हैं, 'एक्टिंग मेरा पहला प्यार है। मैं दिल से आर्टिस्ट हूं। बिजनेस हमारे परिवार में कभी किसी ने नहीं किया, इसलिए यहां हर दिन कुछ नया सीखना पड़ता है। हमने कभी यह नहीं सोचा कि कंपनी बनाएंगे और फिर उसे बेच देंगे। हमारा उस क्राफ्ट और उस जगह से लगाव है। लेकिन अगर बिजनेस चलेगा नहीं तो हम बुनकरों की मदद भी नहीं कर पाएंगे। इसलिए कलाकार और उद्यमी, इन दोनों के बीच संतुलन बनाना सबसे मुश्किल है।'

'मुझे उल्लू बनाया गया', 'धमाल 4' पर संजीदा शेख ने किए बड़े खुलासे; कहा- 'कॉमेडी के नाम पर करवा लिया एक्शन'

'धमाल 4' में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी जैसे सितारे फिर नजर आए। साथ ही इस बार कुछ नए चेहरे भी जुड़े, जिनमें एक्ट्रेस संजीदा शेख भी शामिल थीं। फिल्म में संजीदा ने एक्शन और कॉमेडी दोनों किया। हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्हें यह रोल कैसे मिला और शूटिंग का अनुभव कैसा रहा।

'धमाल 4' से पहले संजीदा ने कॉमेडी में ज्यादा काम नहीं किया था। इससे पहले वह संजय लीला भंसाली की सीरियस पीरियड ड्रामा 'हीरामंडी' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्हें 'सीरियस एक्ट्रेस' का टैग मिलने लगा।

संजीदा ने कहा, 'मुझे 'धमाल 4' इसलिए मिली क्योंकि इंद्र सर ने मुझे 'हीरामंडी' देखने के बाद बुलाया। उनका पहला सवाल था, 'आप तो बहुत सीरियस एक्ट्रेस हैं,' क्योंकि हीरामंडी काफी सीरियस थी।'

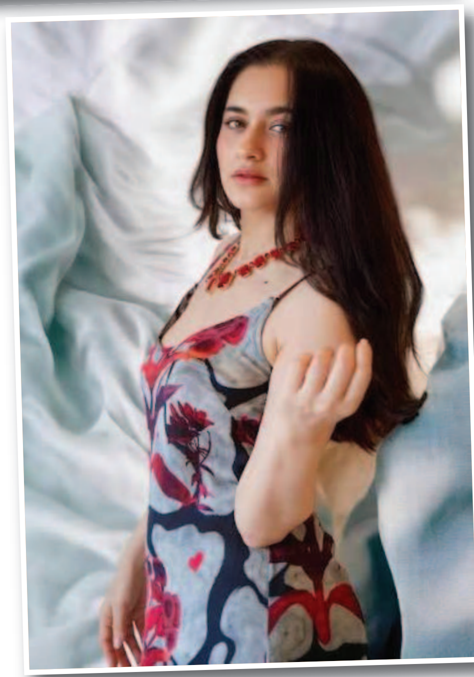

संजीदा ने बताया कि उन्होंने डायरेक्टर से कहा कि उन्हें मौका दिया जाए ताकि वह दिखा सकें कि वह कितनी फनी हैं। 'मैं उनके साथ बैठी और उन्होंने मुझे हंसते हुए सुना- मैं थोड़ा अलग तरीके से हंसती हूं तो उन्होंने कहा, 'ठीक है।' और मेरी कास्टिंग हो गई।'

'धमाल 4' में संजीदा का किरदार जितनी कॉमेडी करता है, उतना ही एक्शन भी करता है। कई सीन में वह बड़े एक्शन स्टार्स के साथ एक्शन करती नजर आईं।

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मेरे हर सीन में एक्शन था। मुझे उल्लू बनाया गया। मुझे कहा गया था कि कॉमेडी करनी है, लेकिन मुझसे एक्शन करवा लिया गया।'

संजीदा ने बताया कि सेट पर यह बात मजाक बन गई थी कि जहां अजय देवगन जैसे बड़े एक्शन स्टार मौजूद हैं, वहां उनसे एक्शन सीन करवाए जा रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं सच बोल रही हूं, अजय देवगन सेट पर थे और मुझसे सारे एक्शन सीन कराए जा रहे थे। यह सेट पर मजाक बन गया था।'

'धमाल 4' में रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद और ईशा गुप्ता भी नजर आए। फिल्म को क्रिटिक्स से ज्यादा अच्छे रिव्यू नहीं मिले, लेकिन दर्शकों ने इसे काफी पसंद किया। फिल्म ने दुनियाभर में 200 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की और बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034
Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय
सम्पर्क: 9839909595, 8765295384
Email: aryavartkrantidainik@gmail.com